twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 20 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 191, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पाकिस्तान के निशाने पर था स्वर्ण मंदिर: सेना

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई की प्रशंसा की

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों सहित नागरिक ठिकानों को निशाना बनाए जाने की आशंकाएं थीं, जिनमें अमृतसर का स्वर्ण मंदिर सबसे प्रमुख था। इसका मुकाबला भारत ने अपनी वायु रक्षा प्रणालियों से करके अमृतसर में स्वर्ण मंदिर और पंजाब के शहरों को पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाया। भारतीय सेना ने सोमवार को पंजाब के अमृतसर में एक डेमो दिखाया कि कैसे आकाश मिसाइल प्रणाली, एल-70 एयर डिफेंस गन सहित अन्य हथियारों के जरिए सेना के हवाई रक्षा गनर्स ने पाकिस्तान की सेना के नापाक इरादों को विफल करके स्वर्ण मंदिर पर लक्षित सभी ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया। इस प्रकार हमारे पवित्र स्वर्ण मंदिर पर एक खरोंच भी नहीं आने दी। 15 इन्फेंट्री डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल कार्तिक सी. शेषाद्रि ने बताया कि हमने स्वर्ण मंदिर को एक समग्र हवाई रक्षा कवर देने के लिए अतिरिक्त आधुनिक वायु रक्षा संपत्ति जुटाई। 8 मई को तड़के अंधेरे में पाकिस्तान ने मानव रहित हवाई हथियारों में मुख्य रूप से ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों के साथ बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया। हम पूरी तरह से तैयार थे, क्योंकि हमें पहले से ही इसकी आशंका जताई थी। मेजर जनरल शेषाद्री ने कहा कि भारतीय सेना पेशेवर बल है, जिसने गंभीर उकसावे के बावजूद हमेशा एक संतुलित और मापा हुआ तरीके से जवाब दिया है। हमने सटीक हथियारों के साथ केवल आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया, ताकि कोई नागरिक क्षति न हो, इस तथ्य को पाकिस्तानी सेना ने भी ऑपरेशन के दौरान स्वीकार किया है।

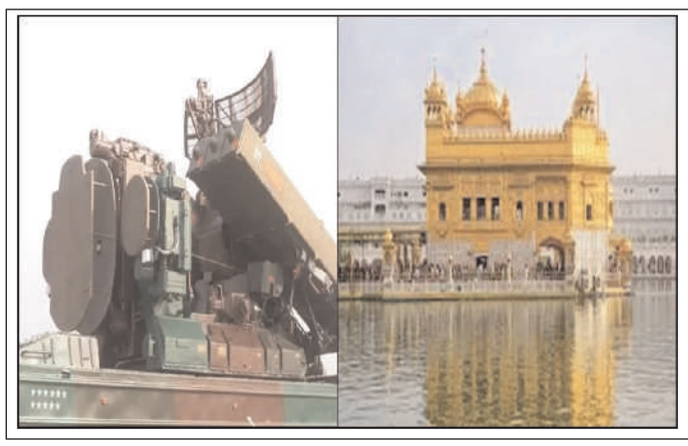

नापाक मंसूबे को विफल करने के लिए भारतीय सेना पूरी तरह तैयार

एक अन्य सैनिक ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के खिलाफ आतंकी ढांचे पर सफल हमला किया। 22 अप्रैल के बाद हमने अपनी तैयारी शुरू कर दी और कम समय में तैनात होने के लिए तैयार थे। वर्तमान में आप अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब पैंथर गनर्स की एक अच्छी तरह से छिपी हुई और अच्छी तरह से संरक्षित बंदूक की स्थिति में खड़े हैं। हम दुश्मन द्वारा हम पर किए जाने वाले सभी और किसी भी तरह के खतरों के लिए तैयार हैं।

पाक की ओर से ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलें लॉन्च हुई थी

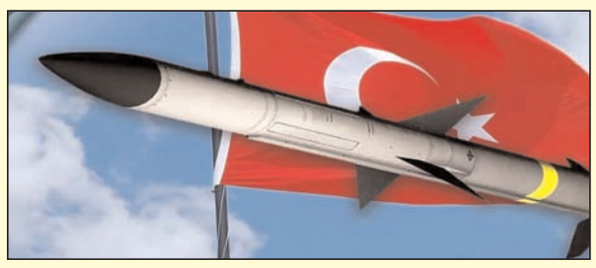

जवान ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के पास भारत के अंदर हमला करने के लिए कोई वैध लक्ष्य नहीं है और न ही उसके पास भारतीय सशस्त्र बलों का सामना करने का साहस या क्षमता है। इसलिए, वह आतंकवाद को एक राष्ट्रीय नीति के रूप में इस्तेमाल करके अपनी धरती से लॉन्च किए गए मानव रहित हवाई हथियारों का सहारा लेता है। मेजर ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलें लॉन्च और फायर की गईं। भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों, नागरिक आबादी केंद्रों को भी नहीं बख्शा गया। भारतीय सशस्त्र बल और सेना के वायु रक्षा गनर पाकिस्तान के सभी हवाई खतरों को विफल करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान ने फिर से आतंकवादियों का सहारा लिया तो उसका अवश्य ही नाश होगा। याद रहे कि ऑपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं हुआ है। उसका विकराल रूप अभी बाकी है।

सेना के डेमो में क्या

भारतीय सेना ने सोमवार को एक डेमो दिखाया। कैसे आकाश मिसाइल प्रणाली सहित भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर और पंजाब के शहरों को पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाया। 15 इन्फैंट्री डिवीजन के मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्री ने कहा, '... सारी दुनिया जानती है कि पाकिस्तानी सेना ने सुनियोजित तरीके से 22 अप्रैल को पहलगाम में अपने आतंकियों द्वारा देश और विदेश के निहत्थे पर्यटकों पर हमला करवाया था।

हमारी वायु रक्षा दीवार को भेदना बहुत मुश्किल है: भारतीय सेना

भारतीय रक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता पर एक अन्य सैनिक ने कहा, 'जमीन आधारित वायु रक्षा हथियारों और सेना के वायु रक्षा हथियारों के गोला-बारूद का केवल 10% ही इस्तेमाल किया गया। हमने और सोंगार जैसे कामिकेज ड्रोन और माइक्रो-ड्रोन बरामद किए हैं, जो संभवतः तुर्की मूल के हैं। हमारी वायु रक्षा दीवार को भेदना बहुत मुश्किल है।' उन्होंने आगे कहा कि 7 मई को जब हमने पाकिस्तान और पीओके में मुरीदके में लश्कर मुख्यालय जैसे शीर्ष आतंकवादी प्रतिष्ठानों की पहचान की और उन पर हमला किया, तो यह अनुमान लगाया गया था कि पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा और हमारे मुख्य हवाई ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाएगा। आश्चर्य की बात यह रही कि कुछ कामिकेज ड्रोन, सतह से सतह और हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें सीधे स्वर्ण मंदिर पर दागी गईं। उन्होंने इन कामिकेज ड्रोन और रॉकेटों से नागरिक क्षेत्रों गुरुद्वारा साहिब और अन्य क्षेत्रों को निशाना बनाया। सभी हवाई हमलों को रोक दिया गया।

और बड़ी सटीकता के साथ मार गिराया गया। भारतीय सेना के एक जवान ने कहा, 'इस वक्त हम ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा हैं। 8-9 मई की रात को दुश्मन ने अचानक हम पर फायरिंग की और घुसपैठ की कोशिश की। हमने दुश्मन पर अचूक फायरिंग की और उसकी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। हमारी फायरिंग का नतीजा ये हुआ कि सुबह तक दुश्मन अपने घुटनों पर आ गए और अपनी पोस्ट पर सफेद झंडा लहरा दिया।

दिल्ली में लॉन्च हुई ई-जीरो एफआईआर पहल

नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि गृह मंत्रालय के अधीनस्थ भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाते हुए ई-जीरो एफआईआर पहल की शुरूआत की है। इस नई प्रणाली से अपराधियों को अभूतपूर्व गति से पकड़ने में मदद करेगी। इस पहल को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर फिलहाल दिल्ली में लागू किया गया है और जल्द ही इसे देशभर में विस्तार देने की योजना है।

ट्रंप और पुतिन के बीच फोन पर चर्चा

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर यूक्रेन युद्ध को लेकर चर्चा की है। ट्रंप के साथ दो घंटे से अधिक देर तक हुई बातचीत में पुतिन ने कहा कि, दोनों देशों के बीच समझौते के बाद युद्धविराम संभव है।

पूर्व सीएम दिग्विजय की मुश्किलें बढ़ीं

भोपाल। कांग्रेस नेत्री सरला मिश्रा की संदिग्ध मौत के मामले में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सरला मिश्रा की मौत के मामले में उनके भाई अनुराग मिश्रा भोपाल के टीटी नगर थाने पहुंचे। उन्होंने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह समेत अन्य पर शिकायत दर्ज कराई है।

उनका आरोप है कि बहन की हत्या के मामले को आत्महत्या का केस बना दिया गया था। अनुराग मिश्रा ने दिग्विजय सिंह के साथ ही उनके भाई लक्ष्मणसिंह और अनेक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। इस पर टीआई मानसिंह ने जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मूलतः नर्मदापुरम निवासी कांग्रेस नेत्री सरला मिश्रा की फरवरी 1997 में भोपाल स्थित उनके घर में ही जलने से मौत हो गई थी। करीब एक महीने पहले कोर्ट में पुलिस ने इस मामले में खात्मा रिपोर्ट कोर्ट में पेश की थी। कोर्ट ने रिपोर्ट में गंभीर खामियां पाते हुए इसे खारिज कर दिया और दोबारा जांच के आदेश दे दिए थे। सरला मिश्रा के भाई अनुराग मिश्रा ने इस केस में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, उनके भाई लक्ष्मण सिंह और अन्य कई नेताओं की भूमिका पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ओसीआई का नया पोर्टल किया लॉन्च

नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) का नया पोर्टल लॉन्च किया। इस पोर्टल का उद्देश्य ओसीआई कार्डधारकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना और उनके अनुभव को सुधारना है। इस अवसर पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने ओसीआई कार्डधारक मूल नागरिकों को विश्वस्तरीय इमीग्रेशन सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। ओवरसीज नागरिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अपडेटेड यूजर इंटरफेस के साथ एक नया ओसीआई पोर्टल लॉन्च किया गया है। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया भर के कई देशों में भारतीय मूल के अनेक नागरिक रहते हैं। और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें भारत आने या यहां रहने में कोई असुविधा न हो। गृह मंत्रालय के अनुसार, हुई महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति और ओसीआई कार्डधारकों से प्राप्त प्रतिक्रिया को देखते हुए मौजूदा कमियों को दूर करने और उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक नया ओसीआई पोर्टल विकसित किया गया है।

भारत कोई धर्मशाला नहीं है, याचिका रद्द: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक श्रीलंकाई नागरिक द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जिसमें उसने अपनी सजा पूरी होने के बाद देश से निर्वासन को चुनौती दी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारत कोई 'धर्मशाला' नहीं है, जहां दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण दी जा सके। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण देने के लिए है हम पहले से ही 140 करोड़ की आबादी से जूझ रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है जहां हम हर जगह से आए विदेशी नागरिकों को जगह दें। सुप्रीम कोर्ट मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया था कि श्रीलंकाई तमिल नागरिक को यूएपीए मामले में सात की सजा पूरी होते ही भारत छोड़ देना चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि श्रीलंकाई तमिल युवक वीजा पर यहां आया था। उसे अपने देश में जान का खतरा है। वह बिना किसी निर्वासन प्रक्रिया के तीन साल से हिरासत में है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता से वकील से पूछा कि यहां बसने का आपका क्या अधिकार है तो वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एक शरणार्थी और उसके पत्नी-बच्चे भारत में बस गए हैं। इस पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि अनुच्छेद 21 का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। उसकी स्वतंत्रता छीनी गई थी।

परमाणु ऊर्जा कानूनों में बदलाव पर विचार कर रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली

सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े कानूनों में बदलाव पर विचार कर रही है, ताकि इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी संभव हो सके। भारत ने 2047 तक 100 गीगावाट (जीवी) परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि परमाणु ऊर्जा अधिनियम में बदलाव किए जा सकते हैं, जिससे निजी कंपनियां भी इसमें शामिल हो सकें। सूत्रों ने बताया, परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में भी बदलाव पर विचार किया जा रहा है, ताकि परमाणु संयंत्र के लिए उपकरणों की आपूर्ति करने वालों पर ज्यादा जिम्मेदारी न आए। सरकार नियामक ढांचे में भी बदलाव पर विचार कर रही है और यह देख रही है कि कैसे भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इनस्पेस) जैसे मॉडल को अपनाया जा सकता है। 2020 में निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने के बाद से इनस्पेस उसका प्रमोटर और रेगुलेटर रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने की घोषणा की है। न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) देशभर में परमाणु बिजलीघर चला रही है, जो अभी बिजली उत्पादन में 8.7 गीगावाट का योगदान देती है।

सीतारमण ने यह भी बताया कि 20 हजार करोड़ रुपये के बजट के साथ 'परमाणु उर्जा मिशन' शुरू किया गया है। इसका मकसद छोटे परमाणु रिएक्टर (एसएमआर) पर अनुसंधान करना और उन्हें बनाना है, जिनमें से 5 रिएक्टर 2033 तक शुरू किए जाने का लक्ष्य है। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने बताया है कि यह मिशन निजी कंपनियों को शामिल करेगा, नियमों को आसान बनाएगा और परमाणु बिजली उत्पादन को बढ़ाएगा ताकि देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतें पूरी की जा सकें।

स्कूली बच्चों को एआई शिक्षा से जोड़ने का प्रयास शुरू करेंगे

नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से अपनी जगह बना रहा है। ऐसे में हम इसी वर्ष से देशभर के स्कूली बच्चों को एआई शिक्षा से जोड़ने का प्रयास शुरू करेंगे। उन्होंने देश के शिक्षाविदों से आग्रह किया कि वे आयु-उपयुक्त, एआई-एम्बेडेड पाठ्य-पुस्तकें तैयार करें। उन्होंने कहा, हमें वृद्धिशील सुधार नहीं, बड़ी छलांग चाहिए। इसके लिए एआई/एमएल जैसी तकनीक को भारतीय भाषाओं से जोड़ना अनिवार्य है ताकि यह बल गुणक बने। इस दौरान उन्होंने 13 भारतीय भाषाओं में विकसित नई प्राइमर पुस्तक एवं विशेष मॉड्यूल्स का भी विमोचन किया। इन 13 भाषाओं में कश्मीरी (फारसी-अरबी लिपि), सिंधी (देवनागरी), सिंधी (फारसी-अरबी लिपि), कश्मीरी (देवनागरी), बाल्टी, संथाली, जेमे, उर्दू, संगतम, लाई (पावी), गोंडी-तेलुगु, भीली (वागड़ी) और चोक्रि शामिल हैं। इसके साथ कुल प्राइमर की संख्या अब 117 हो गई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज के कार्यक्रम को तमिलनाडु में पली-बढ़ी बिहार की जियाकुमारीको समर्पित किया। जिया ने हाल ही में 10वीं की परीक्षा में तमिल भाषा में 93 अंक लाकर उन लोगों की आंखें खोल दीं, जो देश में भाषा के आधार पर विभाजन बोने का प्रयास करते है। ऐसे समय में जब भारत अपनी विरासत के साथ चहुंमुखी विकास की ओर बढ़ रहा है, यह आयोजन और भी प्रासंगिक हो जाता है। भारत को विकसित राष्ट्र तथा दुनिया की पहली अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कम-से-कम कक्षा 8 तक की शिक्षा मातृभाषा में करवाने की दिशा में तेज गति से प्रयास करना होगा।

हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों को समान और पूरी पेंशन देने का आदेश

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों को समान और पूरी पेंशन देने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि जजों की नियुक्ति की तिथि और उनके कार्यकाल के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट के सभी रिटायर्ड जज, चाहे वो किसी भी तारीख में नियुक्त हुए हों, पूर्ण पेंशन के हकदार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिटायर्ड चीफ जस्टिस को सालाना 15 लाख रुपये की पूरी पेंशन का भुगतान करना होगा। कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार को हाई कोर्ट के सभी रिटायर्ट जजों के मामले में वन रैंक वन पेंशन के सिद्धांत का पालन करना होगा।

, भले ही जजों की नियुक्ति जिला अदालत या बार हो। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी जज की सेवा काल के दौरान मौत होती है, तो उनकी विधवा या परिवार के सदस्यों को ग्रेच्युटी का भुगतान करना होगा।

लघु व सीमांत किसानों को सस्ती दर पर मिले ऋण: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लघु एवं सीमांत किसानों की आय में वृद्धि और आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को कर्ज के बोझ से मुक्ति दिलाने, उनकी कृषि उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। ऐसे में किसानों को सस्ती दर पर सरलता से ऋण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह योजना इसी दिशा में एक प्रभावी कदम सिद्ध होगी। सोमवार को सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में इस महत्वाकांक्षी योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जिसे मुख्यमंत्री ने दूरदर्शी और किसान-हितैषी पहल बताया। उन्होंने प्रस्तावित मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना में नाबार्ड के साथ-साथ सहकारी बैंकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का क्रियान्वयन प्रभावी और समयबद्ध हो। इसके लिए सहकारी बैंकों की ऋण वितरण क्षमता को बढ़ाने, शाखाओं के आधुनिकीकरण हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने और किसानों तक ऋण की सुगमता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि योजना का विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सहकारिता क्षेत्र की समग्र समीक्षा करते हुए सहकारी संस्थाओं की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से लघु और सीमांत किसानों की आय में वृद्धि, पारदर्शिता और दक्षता को सहकारिता क्षेत्र की प्राथमिकताओं में शामिल करने के निर्देश दिए। अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विवरण के अनुसार, उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का ऋण वितरण वर्ष 2017 में 9,190 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2025 में 23,061 करोड़ तक पहुँच गया है। वहीं शुद्ध लाभ 100.24 करोड़ हो गया है। इसी अवधि में जिला सहकारी बैंकों का कुल व्यवसाय 28,349 करोड़ से बढ़कर 41,234 करोड़ तक पहुँच गया और शुद्ध लाभ 162 करोड़ दर्ज किया गया। पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में फसली ऋण 11,516 करोड़ एवं दीर्घकालिक ऋण 393 करोड़ वितरित किया गया। उर्वरक वितरण 34.45 लाख मीट्रिक टन, धान खरीद 25.53 लाख मीट्रिक टन और दलहन-तिलहन खरीद 1.94 लाख मीट्रिक टन रही। भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए एआईएफ योजना के तहत 375 गोदामों का निर्माण कर 37,500 मीट्रिक टन की क्षमता विकसित की गई है।

राघव चड्ढा को मिला एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस का न्योता, सुनक-पोंपियो जैसे विश्व के बड़े नेताओं संग पब्लिक पॉलिसी पर करेंगे बात

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित होने जा रहे एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस (एएलसी) 2025 में बतौर मुख्य वक्ता आमंत्रित किया गया है। यह सम्मेलन 21-22 मई 2025 को आयोजित होगा और इसे एशिया का 'दावोस' भी कहा जाता है। जहां वे अपनी शानदार नीतिगत समझ, युवा जोश और गवर्नेंस में इनोवेशन के साथ-साथ भारत की ताकत और विजन को दुनिया के सामने रखेंगे। इस विश्व-प्रसिद्ध एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में दुनिया के तमाम बड़े लीडर शिरकत करते हैं, जो एशिया की सबसे बड़ी चुनौतियों और उनके समाधानों पर बात करते हैं। चोसुन मीडिया और सेंटर फॉर एशिया लीडरशिप के सहयोग से आयोजित एशिया का सबसे बड़े मंच प्रतिष्ठित एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में राजनीति, बिजनेस, शिक्षा और समाज से जुड़े 320 से ज्यादा ग्लोबल लीडर्स और 2,500 से ज्यादा लोग एकत्र होंगे। इस कॉन्फ्रेंस की अहमयित का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इससे पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और जॉर्ज डब्ल्यू बुश, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और डेविड कैमरन, नेटफ्लिक्स के सीईओ रीड हेस्टिंग्स और ब्लैकस्टोन के सीईओ स्टीव श्वार्जमैन जैसे लोग इस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर चुके हैं। वहीं इस बार सांसद राघव चड्ढा ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, एशिया

फाउंडेशन की प्रेसिडेंट लॉरेल ई. मिलर, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट, मिलकेन इंस्टीट्यूट की वाइस प्रेसिडेंट लॉरा लेसी, अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोंपियो, रैंड के इकनॉमिक स्ट्रैटेजी यूनिट के डायरेक्टर डैनियल एगेल, हार्वर्ड सेंटर फॉर पब्लिक लीडरशिप के फाउंडर डीन विलियम्स, और कनाडा इंटरनेशनल साइंटिफिक एक्सचेंज प्रोग्राम की डायरेक्टर शॉना नोवाक जैसे बड़े नेताओं के साथ मंच साझा करेंगे।

खास बात यह है कि इस बार एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस (एएलसी 2025) का थीम सबजेक्ट ÷राष्ट्रों का उदय- बड़ी तरक्की की राह÷ रखा गया है। जो दक्षिण कोरिया की आजादी की 80वीं सालगिरह और कोरियाई युद्ध की 75वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित की जा रही है। इस बार इस इवेंट में हेल्थ, क्लाइमेट और जियोपॉलिटिकल कॉन्फ्लिक्ट जैसे मुद्दों पर बात होगी, ताकि इनसे निपटने के तरीके खोजे जा सकें। एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस 2025 में सांसद राघव चड्ढा इन प्रमुख विषयों पर अपने विचार विश्व पटल पर रखने जा रहे हैं। इसमें ÷न्यू पॉलिटिकल लीडरशिप- एशिया में गवर्नेंस को बदलते युवा लीडर÷ विषय पर वह बताएंगे कि कैसे 33 साल की उम्र में राघव चड्ढा राज्यसभा के सबसे युवा सांसद बने। कम उम्र में अपने राजनीतिक सफर और सफलताओं के अलावा गवर्नेंस पॉलिसी में अपनी समझ को लेकर वह अपने विचार दुनिया के साथ साझा करेंगे। वह बताएंगे कि कैसे युवा देश की राजनीति का हिस्सा बन सकते हैं और गवर्नमेंट सिस्टम को कैसे आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा सांसद राघव चड्ढा 'हेल्थ, क्लाइमेट और कॉन्फ्लिक्ट के दौर में कैसे देशों को क्राइसिस से बचाया जाए' विषय पर भी अपने विचार साझा करेंगे। जिसमें वह बताएंगे कि कैसे दिल्ली में 'आप' सरकार में रहते हुए मोहल्ला क्लीनिक जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए हेल्थ सर्विसेज को बेहतर किया, जिसका कोविड-19 के दौरान बड़ा फायदा हुआ। साथ ही, साफ पानी और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उनके प्रयासों ने दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य जोखिमों को कम किया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित तीन लोगों के विरूद्ध मानहानि का नोटिस

एजेंसी

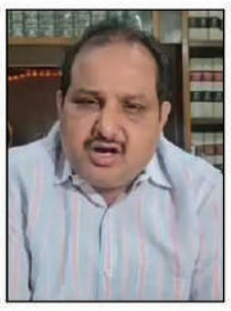

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के खिलाफ समाजवादी पार्टी (सपा) के मीडिया सेल द्वारा की गई अमर्यादित एवं अशोभनीय टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कार्रवाई की कवायद शुरू कर दी है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष एवं मीडिया सेल के विरूद्ध मानहानि का नोटिस भेजा गया है।भाजपा विधि प्रकोष्ठ के राज्य संयोजक एवं बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रशांत सिंह अटल ने बताया कि मेरे द्वारा तीनों लोगों को मानहानि का नोटिस भेजा गया है। तीनों से पन्द्रह दिनों के भीतर सार्वजनिक मंच पर ब्रजेश पाठक पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में माफी मांगने को कहा है। यदि उनकी ओर से माफी नहीं मांगी जाती है तो इसके बाद कोर्ट में दस्तक देंगे। अखिलेश यादव सहित तीनों के खिलाफ सिविल और क्रिमिनल कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। गौरतलब है कि बीते दिनों सपा के मीडिया सेल द्वारा ब्रजेश पाठक के डीएनए को लेकर अशोभनीय टिप्पणी की गई थी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी को याद किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान में यह जानकारी दी। नीलम

संजीव रेड्डी भारत के छठे राष्ट्रपति थे। उन्होंने 25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक इस पद पर कार्य किया। उनका जन्म 19 मई 1913 को आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में हुआ था। उनका निधन 01 जून 1996 को हुआ था। रेड्डी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत महात्मा गांधी के आह्वान पर स्वाधीनता संग्राम में शामिल होकर की थी। वह एक कुशल प्रशासक और अनुभवी राजनेता थे। वह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार में मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष भी रहे। वह राष्ट्रपति पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए थे।

शोपियां के डीके पोरा से आतंकवादियों के दो सहयोगी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद बरामद

शोपियां। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के डीके पोरा इलाके से आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेना की 34आरआर, शोपियां पुलिस और सीआरपीएफ की 178 बटालियन ने संयुक्त अभियान चलाया। इमाम साहिब पुलिस स्टेशन के क्षेत्र के डीके पोरा इलाके में एक नाके पर दोनों

को पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि उनके पास से दो पिस्तौल, दो मैगजीन, दर्जनों राउंड, दो ग्रेनेड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए आतंकवादी सहयोगियों की पहचान डीके पोरा के जाहिद अहमद शेख और कठवा के अनवर खान के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस स्टेशन इमाम साहब में धारा 13,18, 20, 39, 7/27 आईए एक्ट के तहत एफआईआर नंबर 25/2025 दर्ज की गई है और आगे की शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल से की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। राज्यपाल बागडे से उन्होंने राजस्थान के सर्वांगीण विकास और उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल बागडे से मुख्यमंत्री शर्मा की यह शिष्टाचार भेंट थी।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों को मिलेगा 'वन रैंक, वन पेंशन'

सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने यह फैसला सुनाया है।

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों की पेंशन को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों के लिए 'वन रैंक, वन पेंशन' के आदेश दिए हैं। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने अपने फैसले में कहा, 'चाहे उनकी प्रारंभिक नियुक्ति का स्रोत कोई भी हो, चाहे वह जिला न्यायपालिका से हो या वकीलों में से हो, उन्हें प्रति वर्ष न्यूनतम 13.65 लाख रुपए पेंशन दी जानी चाहिए।'

सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में कहा कि हम मानते हैं कि एडिशनल जजों के परिवार के सदस्यों को भी वे सभी लाभ मिलेंगे, जो हाई कोर्ट के जजों के परिवारों को मिलते हैं। सरकार हाई कोर्ट के रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश को 15 लाख प्रति वर्ष की पूरी पेंशन देगी।

साथ ही हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज और एडिशनल जजों को 13.6 लाख प्रति वर्ष की पूरी पेंशन देगी। उन्होंने आगे कहा, 'जज चाहे वकील से बनाए गए हों या जिला न्यायपालिका से हाई कोर्ट आए हों, उन्हें पूरी पेंशन मिलेगी। पारिवारिक पेंशन और विधवा लाभ न्यायाधीशों के परिवार और एडिशनल जजों के परिवार दोनों को समान देना होगा।'

चीफ जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने फैसले में कहा कि केंद्र सभी न्यायाधीशों के लिए वन रैंक, वन पेंशन के सिद्धांत का पालन करेगा, चाहे वे किसी भी उच्च न्यायालय में कार्यरत हों। बता दें कि जस्टिस बीआर गवई हाल ही में भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश बने हैं। सीजेआई बनने के बाद उन्होंने हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों के लिए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। गवई देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश हैं। उनसे पहले जस्टिस के. जी. बालाकृष्णन इस पद पर आसीन रहे थे। जस्टिस बालाकृष्णन साल 2007 में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे। उच्चतम न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने 16 मार्च 1985 को वकालत की दुनिया में कदम रखा। वर्ष 1987 से 1990 तक उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्वतंत्र वकालत की, और इसके बाद मुख्य रूप से नागपुर पीठ के समक्ष विभिन्न मामलों की पैरवी करते रहे।

सेना अधिकारी सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान : सुप्रीम कोर्ट सख्त

मंत्री विजय शाह की माफी नामंजूर, एसआईटी गठित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कुंवर विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने शाह की ओर से मांगी गई माफी को 'मगरमच्छ के आंस' बताते हुए अस्वीकार कर दिया और मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी (विशेष जांच दल) के गठन के आदेश दिए हैं। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, 'कभी-कभी माफ़ी सिर्फ बचने के लिए मांगी जाती है। आपने जिस तरह के भद्दे, अमर्यादित और विचारहीन शब्द बोले, वो एक मंत्री से नहीं बल्कि किसी जिम्मेदार नागरिक से भी अपेक्षित नहीं हैं।' कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में

सिर्फ माफी पर्याप्त नहीं, बल्कि न्यायिक जांच जरूरी है ताकि समाज में एक संदेश जाए कि लोकतंत्र में भाषा की भी एक लक्ष्मण रेखा होती है। यह विवाद 11 मई को इंदौर जिले के महू में आयोजित हलमा कार्यक्रम में शुरू हुआ। मंच से बोलते हुए मंत्री विजय शाह ने कथित रूप से कहा : 'उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा... हमारी बहनों को विधवा किया, तो अब उनकी जाति की बहन आकर उन्हें नंगा करके छोड़ेगी... यह टिप्पणी उस वक्त आई जब ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने एक सीमापार मिशन को अंजाम दिया था, जिसके बाद कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश विभाग के सचिव विक्रम मिसरी ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की एक साहसिक कार्रवाई थी, जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी उपलब्धि माना गया। इस ऑपरेशन में महिला अफसरों की अग्रणी भूमिका थी, जिसे लेकर देशभर में गर्व और सम्मान की भावना दिखाई दी।ऐसे में एक मंत्री द्वारा ऑपरेशन से जुड़ी किसी महिला अधिकारी पर अशालीन और जातीय-लैंगिक टिप्पणी को न केवल सेना बल्कि समाज की गरिमा पर चोट माना गया।

प्रधानमंत्री ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। 82 वर्षीय बाइडेन प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं, जो उनकी हड्डियों तक फैल चुका है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को एक्स पोस्ट में जो बाइडेन और उनके परिवार के प्रति सहानुभूति जताई है। उन्होंने बाइडेन के जल्द ठीक होने की कामना की और उनके परिवार, विशेष रूप से डॉ. जिल बाइडेन के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा, जो बाइडेन के स्वास्थ्य के बारे में सुनकर बहुत चिंतित हूं। हम उन्हें शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की शुभकामनाएं देते हैं। हमारी संवेदनाएं डॉ. जिल बाइडेन और उनके परिवार के साथ हैं। बाइडेन के कार्यालय ने एक बयान में कहा है कि वह प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि यह कैंसर हार्मोन-संवेदनशील है और इसे नियंत्रित किया जा सकता है। बाइडेन के स्वास्थ्य पर कई राजनीतिक नेताओं

ने प्रतिक्रिया दी है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी बाइडेन के परिवार को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। इसके अलावा, कमला हैरिस ने भी बाइडेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है और उन्हें एक योद्धा बताया है जो इस चुनौती का सामना मजबूती से करेंगे।

सेना का बड़ा खुलासा : पाकिस्तान ने गोल्डन टेंपल पर दागी थी मिसाइल, एयर डिफेंस ने किया नाकाम

एजेंसी

नई दिल्ली/श्रीनगर । भारतीय सेना ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान ने अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को निशाना बनाकर मिसाइल दागी थी, जिसे एयर डिफेंस सिस्टम ने समय रहते नाकाम कर दिया। सेना की ओर से जारी वीडियो में पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल गिरते हुए साफ तौर पर देखा जा सकता है। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान सेना ने इनकी बाकायदा तस्वीरें और मलबा भी मीडिया के सामने पेश किया। सेना का कहना है कि पाकिस्तान ने यह हरकत 8-9 मई की रात को की थी, जब उसने इंटरनेशनल बॉर्डर पर अचानक फायरिंग और घुसपैठ की कोशिश की। लेकिन भारतीय जवानों की मुस्तैदी के चलते यह प्रयास नाकाम रहा। सीमा पर तैनात एक जवान ने बताया, हमारी जवाबी कार्रवाई इतनी सटीक थी कि सुबह होते-होते पाकिस्तान को सफेद झंडा

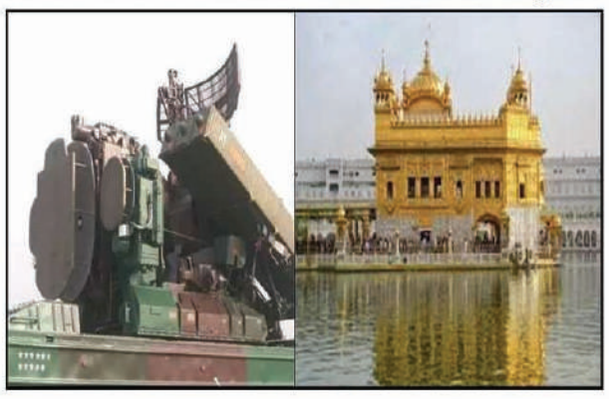

दिखाना पड़ा।'

ऑपरेशन सिंदूर :ड्रोन को आसमान में ही गिराया- भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें पाकिस्तान की ओर से भेजे गए एक ड्रोन को लक्ष्य करके मार गिराया गया। वीडियो को वेस्टर्न कमांड ने साझा करते हुए लिखा है-'हमने जमीन से आसमान तक की रक्षा की है।' यह वीडियो यह दर्शाता है कि भारतीय सेना किसी भी हवाई या जमीनी खतरे से निपटने में पूरी तरह सक्षम और तैयार है।

जनता दर्शन में बोले सीएम योगी, प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान 60 से अधिक फरियादी आए। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके सभी से मुलाकात की, फिर कुशलक्षेम पूछा। हर पीड़ित की शिकायत सुनी और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। सोमवार को सर्वाधिक शिकायतें प्रयागराज से आईं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय है। सरकार हर जरूरतमंदों की जरूरत पर खड़ी है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामले आए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समय से निस्तारण के निर्देश दिए। प्रयागराज से कई शिकायतें आईं, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए अफसरों को निर्देशित किया। पुलिस, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड, खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया। जनता दर्शन में कई पीड़ित परिवार के साथ आए थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बच्चों को दुलारा, उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट भी दी। सीएम योगी ने बच्चों को खूब पढ़ने और

उज्ज्वल भविष्य का भी आशीर्वाद दिया। सोमवार को 'जनता दर्शन' में 8 फरियादी प्रयागराज से आए। देवरिया जनपद से 4, सहारनपुर, बस्ती-फतेहपुर से 3-3 फरियादी जनता दर्शन में आये। मुरादाबाद, पीलीभीत, अमरोहा, गाजीपुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी व भदोही से दो-दो फरियादी शिकायत लेकर मुख्यमंत्री से मिले।

यूसुफ पठान का नाम प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने से पहले हमसे बात करनी थी: अभिषेक बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस के सांसद एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में कौन प्रतिनिधि जाएगा, यह केवल पार्टी ही तय करेगी। भाजपा को यह अधिकार नहीं कि वह हमारे प्रतिनिधि का नाम तय करे। यूसुफ पठान का नाम सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने से पहले केंद्र सरकार को हमसे बात करनी चाहिए थी। उधर भाजपा

ने इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने का आरोप लगाया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबूत पेश करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में तृणमूल सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान का नाम शामिल किया गया था। लेकिन ममता बनर्जी ने अचानक उनके जाने पर रोक लगा दी। इसे लेकर सियासत गर्म हो गई है। उधर कोलकाता एयरपोर्ट पर दिल्ली रवाना होने से पहले सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पत्रकारों को बताया कि यह निर्णय राजनीतिक नहीं, बल्कि पार्टी के आंतरिक विचार-विमर्श का हिस्सा था। हम किसी का अपमान नहीं करना चाहते, लेकिन प्रतिनिधिमंडल में ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो हर स्तर पर पार्टी की बात को स्पष्टता से रख सके, विशेषकर नीति, संगठन और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सभी मामलों में। उन्होंने कहा कि तृणमूल ही एकमात्र पार्टी है जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठकर केंद्र सरकार का समर्थन किया है।

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड

एजेंसी

हिसार । पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के लिए जासूसी करने और जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा के हिसार की 33 वर्षीय यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा का इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। उनके इंस्टाग्राम पर 1.31 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। हिसार पुलिस ने 17 मई को ज्योति को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। हिसार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शशांक कुमार सावन ने मीडिया को बताया था कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंट सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भर्ती कर अपने प्रचार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।

वाहनचोरी समेत 155 वारदातों में शामिल दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिले की एंटी स्नैचिंग सेल ने दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपितों पर वाहनचोरी, आर्म्स एक्ट व लूटपाट समेत 155 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दक्षिण पश्चिमी जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि एक आरोपित रवि उर्फ करन 90 वारदातों जबकि दूसरा आरोपित आकाश 65 वारदातों में शामिल है। आरोपियों को 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पहचान करके दबोचा गया है। इनके कब्जे से वारदातों में इस्तेमाल एक स्पोर्ट्स बाइक, दो सोने की चेन व तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

तेजस्वी के आरोप बेबुनियाद, जनता नहीं देती महत्वः राजीव रंजन

नई दिल्ली। जनता दल युनाइटेड (जदयू) प्रवक्ता राजीव रंजन ने बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि झूठ बोलने से सत्ता नहीं मिलती। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर बिहार की एनडीए सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कई आरोप लगाए थे। तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने दावा किया कि नीतीश सरकार ने 12 लाख नौकरियां और 38 लाख रोजगार देने का लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया है। बिहार अब देश के टॉप तीन राज्यों में शामिल है। पलायन के आरोपों पर राजीव रंजन ने कहा कि अब रिवर्स माइग्रेशन हो रहा है। अपराध दर कम हुई है और कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि 2005 में 817 थाने थे, जो अब 1380 हो गए हैं। पुलिस बल 42480 से बढ़कर 110000 हो गया है। भ्रष्टाचार के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सजायाफ्ता नेताओं को नैतिक सवाल उठाने का हक नहीं है।

प्रेमिका का भाई बना कालः शादी के लिए राजी नहीं थे परिजन, पेचकस से युवक का रेता गला

नई दिल्ली। बाबा हरिदास नगर इलाके में पानी का प्लांट चलाने वाले अवनीश सक्सेना की हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक मृतक का होने वाला साला भी शामिल है। शुरुआती जांच में पता चला है कि अवनीश का 17 मई को प्रेम विवाह होना था। लड़की पक्ष के लोग इस शादी के लिए राजी नहीं थे। लड़की के भाई ने अवनीश को फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। बाद में उसका शव ढिचाऊं गांव के खेत में मिला। अवनीश अपने परिवार के साथ नांगली विहार इलाके में रहता था। वह इलाके में पानी का प्लांट चलाता था। 14 मई को पुलिस को ढिचाऊं गांव के पास एक बुलेट लावारिस हालत खड़ी होने की जानकारी मिली। आसपास के इलाके में तलाशी लेने पर खेत में एक युवक का शव पड़ा मिला। उसकी गर्दन पर पेचकस से वार किया गया था। मृतक के पास से मिले दस्तावेज से उसकी पहचान अवनीश सक्सेना (30) के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद पुलिस अवनीश के घर पर पहुंची। परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि अवनीश की 17 मई को शादी होने वाली थी। शाम में लड़की के भाई ने उसे फोन किया था। उसने बताया कि मुंडका से पैसे लेने हैं और कपड़े भी खरीदने हैं।

मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी सहित दो कुख्यात बदमाश घायल, स्कॉर्पियो कार सहित अवैध हथियार बरामद

नई दिल्ली। मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी समेत दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नौ मई को कोतवाली क्षेत्र तमंचे के बल पर स्कॉर्पियो लूटी थी। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान राहुल देव चौधरी निवासी बिलारी मुरादाबाद और रतन चोपड़ा निवासी मंगोलपुरी दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपियों ने नौ मई को चेरी काउंटी क्षेत्र से असलहा दिखाकर स्कॉर्पियो लूटी थी। इसके पहले 28 अप्रैल को एक व्यक्ति के गले से चैन स्नैचिंग की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से देशी तमंचे, चार जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, लूटी गई स्कॉर्पियो कार बरामद की है। दोनों बदमाश अंतरराज्यीय गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं और उन पर दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान, मुरादाबाद आदि में हत्या, लूट, डकैती, वाहन चोरी और चैन स्नैचिंग जैसे दर्जनों संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी का कहना है कि बिसरख पुलिस टी-प्वाइंट पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

भारत-ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की वार्ता, चाबहार और उत्तर दक्षिण कॉरिडोर पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव डॉ अली अकबर अहमदियान के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। इस वार्ता में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने पर चर्चा हुई। साथ ही विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) परियोजनाओं पर काम तेज करने पर जोर दिया।

चाबहार बंदरगाह और आईएनएसटीसी भारत की पश्चिम एशिया नीति में अहम भूमिका निभाते हैं। इन परियोजनाओं से भारत को मध्य एशिया और यूरोप तक व्यापारिक पहुंच को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान के साथ बिगड़ते संबंधों के बीच यह वैकल्पिक मार्ग भारत के लिए बेहद अहम है। दोनों देशों ने इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। ईरान की ओर से जारी वक्तव्य के अनुसार, डोभाल ने ईरान की रचनात्मक भूमिका की सराहना की। वक्तव्य के अनुसार ईरानी पक्ष ने माना कि भारत-ईरान सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

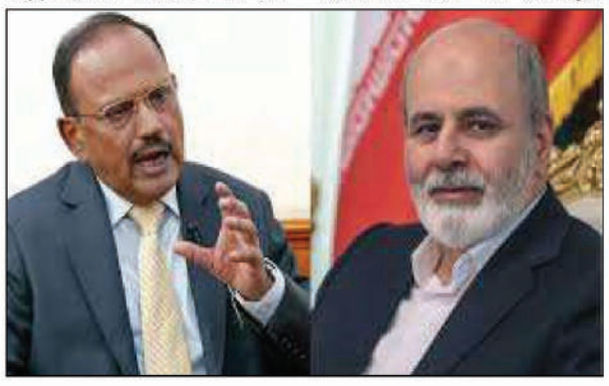

डोभाल ने बातचीत में भारत और ईरान के संबंधों को मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने ईरान द्वारा दिए जा रहे सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। अहमदियान ने कहा कि भारत और ईरान प्राचीन सभ्यताएं हैं और उनके संबंध गहरे और ऐतिहासिक हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक सहयोग की विशाल संभावनाओं की बात की। उन्होंने कहा कि रणनीतिक परियोजनाओं को शीघ्रता से लागू करने की आवश्यकता है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार, ग्रेप स्टेज-1 की पाबंदियां हटी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत लागू स्टेज-1 को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। यह निर्णय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप-समिति ने हुई समीक्षा बैठक में लिया।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सोमवार को 179 रिकॉर्ड किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। यह सुधार तेज सतही हवाओं, गरज के साथ बारिश और धूल के कणों में गिरावट के चलते हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के अनुसार आने वाले दिनों में भी वायु गुणवत्ता इसी श्रेणी में बनी रहेगी। हालांकि, आयोग ने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रदूषण नियंत्रण के नियमों और दिशा-निर्देशों को पूरी सख्ती से लागू करें ताकि हवा की गुणवत्ता दोबारा 'खराब' श्रेणी में न पहुंचे। खासतौर पर निर्माण स्थलों और खुले क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के उपायों पर जोर देने को कहा गया है। आयोग ने कहा कि वह हालात पर लगातार नजर रखेगा और आवश्यकता होने पर फिर से समीक्षा करेगा।

एनसीसी ने माउंट एवरेस्ट पर किया सफल आरोहण

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी अभियान टीम ने 18 मई को माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। इस टीम में 10 एनसीसी कैडेट्स (पांच लड़के और पांच लड़कियां) शामिल थे। इसके साथ चार अधिकारी, दो जूनियर कमीशन अधिकारी, एक महिला कैडेट प्रशिक्षक और 10 गैर-कमीशन अधिकारी भी थे।

चुने गए कैडेट्स नौसिखिए थे, जिन्हें देशभर से चुना गया था। इनका चयन और प्रशिक्षण प्रक्रिया बहुत कठोर थी। अपनी तैयारी के हिस्से के रूप में, उन्होंने माउंट एबी गामिन पर एक पूर्व-एवरेस्ट अभियान किया। अंतिम टीम में 15 कैडेट्स का चयन किया गया, जिन्होंने सियाचिन बेस कैंप में आर्मी माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट में सर्दी और तकनीकी प्रशिक्षण लिया।

महीनों की प्रशिक्षण के बाद, दस कैडेट्स को माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए चुना गया। इस टीम में कम उम्र के पर्वतारोही शामिल थे, जिनकी औसत आयु 19 वर्ष थी। चढ़ाई के विभिन्न चरणों में उनकी फिटनेस और अनुशासन के लिए नेपाल के शेरपाओं ने उनकी सराहना की। कठिन मौसम और परिस्थितियों का सामना करते हुए, कैडेट्स ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा और एनसीसी ध्वज लहराया। यह अभियान 03 अप्रैल को नई दिल्ली से शुरू किया गया था। यह एनसीसी द्वारा माउंट एवरेस्ट की तीसरी चढ़ाई है, इससे पहले 2013 और 2016 में भी अभियान किए गए थे।

इसरो का ईओएस-09 उपग्रह प्रक्षेपण विफल होने पर जांच के आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को एक झटका लगा है। इसरो का सबसे भरोसेमंद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी61 का मिशन तीसरे चरण में फेल हो गया। इससे इस महत्वाकांक्षी मिशन के तहत ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निर्धारित कक्षा में पहुंचाने में कामयाब नहीं हुआ। इसरो ने इसकी जांच के आदेश दे दिए हैं।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से सुबह 5:59 बजे इसरो ने 101वां प्रक्षेपण पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी)-सी61 के जरिए ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह भेजा था, लेकिन प्रक्षेपण के कुछ ही मिनटों के बाद तीसरे चरण में रॉकेट अपने मार्ग से भटक गया। शुरुआती अनुमान के अनुसार रॉकेट के तीसरे चरण के प्रणोदन प्रणाली में संदिग्ध फ्लेक्स नोजल की खराबी के कारण प्रक्षेपण विफल हुआ। ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह से रात में भी उच्च-रिज़ॉल्यूशन फ़ोटो लेने की तकनीक शामिल थी। वैज्ञानिक इस प्रक्षेपण के विफल होने की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने मीडिया को बताया कि यह इसरो का 101वां मिशन था। पीएसएलवी ने पूर्व निर्धारित समय सुबह पांच बजकर 59 मिनट पर उड़ान भरी, लेकिन मिशन का उद्देश्य पूरा नहीं हो सका। यह मिशन तीसरे स्टेज में विफल हो गया। यह दबाव संबंधी समस्या की वजह से हुआ है। हम पूरे प्रयोग की समीक्षा कर रहे हैं तथा जल्द ही और जानकारी देंगे।

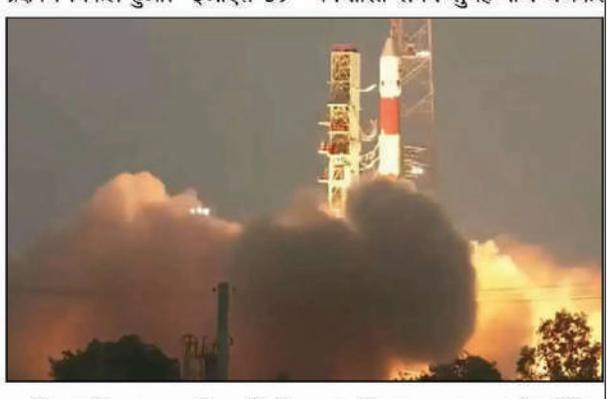

बसपा ने आकाश को बनाया मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर

एजेंसी

दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। उन्होंने यह निर्णय दिल्ली स्थित पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय 29 लोधी स्टेट में पदाधिकारियों की सहमति के बाद लिया है। साथ ही उम्मीद जताई है कि इस बार आकाश पार्टी व मूवमेंट के हित में हर तरह की एहतियात बरतते हुए पार्टी को मजबूत बनाने में योगदान देंगे। बसपा प्रमुख मायावती ने 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी घटना के बाद पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य कार्रवाई के लिए भारतीय सेना की सराहना की है। उन्होंने कहा कि जनता व देश के हित को प्रभावित होने से बचाने के लिए सरकार का अपराध नियंत्रण जैसे आतंकवाद विरोधी उपाय भी जरूरी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर परमाणु धमकी देता रहता है। उसकी ब्लैकमेलिंग को नहीं सहने और पर भरोसा न करे तो बेहतर होगा। सीमा पार से बार-बार हो रही घातक आतंकवादी घटनाओं को

संबंधी भारत सरकार की चेतावनी उचित है। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका या किसी अन्य तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को स्वीकार न करने की राष्ट्रीय सहमति का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है। क्योंकि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर देश अपने अलावा किसी रोकने के लिए केन्द्र सरकार कोहर संभव ठोस और प्रभावी उपाय करना चाहिए। मायावती ने कहा कि सेना ने पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाया है। भविष्य में ऐसा न करने की सख्त चेतावनी भी दे रही है। ऐसे में केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने सुरक्षा उपायों से देश में घातक आतंकी घटनाएं अब किसी भी कीमत पर आगे नहीं होने दे। बसपा प्रमुख ने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री द्वारा पहले विदेश सचिव और फिर सेना की वरिष्ठ महिला अधिकारी के बारे में की गई टिप्पणियों से पार्टी स्तर पर सख्ती से निपटा जाना चाहिए। हाई कोर्ट ने इसका स्वतः संज्ञान लेते हुए मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जो स्वागत योग्य है। भाजपा की ओर से भी मंत्री के खिलाफ जरूरी एक्शन का अभी भी पूरे देश को इंतजार था और आगे रहेगा। मायावती ने कहा कि सपा के वरिष्ठ नेता ने भी सेना को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश की, जो अत्यंत दुखद और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सेना और उसके पराक्रम पर पूरे देश में खुशी मनाई जानी चाहिए, लेकिन किसी भी पार्टी को इसकी आड़ में राजनीति नहीं करनी चाहिए।

भीगी-भीगी रहेगी दिल्ली : कुछ दिन बारिश की संभावना, प्रचंड गर्मी से राहत की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 19 से 24 मई तक बारिश की संभावना है। सप्ताहांत तक दिल्ली भीगी-भीगी रहेगी। मई में पड़ने वाली प्रचंड गर्मी से लोगों को राहतमिलेगी। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की से बहुत हल्की बारिश से साथ और तेज हवाएं 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है, जो गरज के साथ अस्थायी रूप से 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। वहीं, सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से चलेगी, जो धूल भरी हवाओं के साथ अस्थायी रूप से 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएंगी। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 और 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। राजधानी में रविवार सुबह से ही सूरज अपने तेवर दिखाने लगा था। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य 1.0 डिग्री सेल्सियस के साथ 41.4 डिग्री दर्ज किया गया। कुछ इलाकों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। पालम में सबसे अधिक तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आया नगर में 42.6, रिज में 42.0, और लोधी रोड में 41.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। साथ ही, न्यूनतम तापमान सामान्य 0.4 डिग्री सेल्सियस के साथ 26.9 डिग्री दर्ज किया गया। रिज में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम रहा। यहां न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आया नगर में 26.0, लोधी रोड में 24.6 और पालम में 27.4 डिग्री दर्ज हुआ।

'ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ', पुर्तगाल में पाकिस्तान समर्थित विरोध प्रदर्शन पर भारत का कड़ा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । पुर्तगाल स्थित भारतीय दूतावास ने लिस्बन में अपने चांसरी भवन के बाहर पाकिस्तान समर्थित लोगों की तरफ से आयोजित विरोध प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का मुकाबला करने के अपने संकल्प को दोहराया। पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन स्थित भारतीय दूतावास के सामने पाकिस्तान समर्थित लोगों की तरफ से विरोध प्रदर्शन किया गया। भारतीय अधिकारियों द्वारा इस प्रदर्शन का दृढ़तापूर्वक जवाब दिया और कहा कि भारत ऐसे उकसावे से डरने वाला नहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। भारतीय दूतावास ने अपने 'एक्स' पोस्ट में पुर्तगाल सरकार और पुलिस अधिकारियों को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था देने के लिए धन्यवाद दिया। पुर्तगाल में भारत के राजदूत पुनीत रॉय कुंडल ने भी 'एक्स' के माध्यम से प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'दूतावास के बाहर पाकिस्तान की तरफ से आयोजित विरोध प्रदर्शन का जवाब हमारी ओर से मौन लेकिन मजबूत और दृढ़ संदेश के साथ दिया गया, 'ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है'।' दूतावास के सभी अधिकारियों का

दृष्टिकोण यही था। 'ऑपरेशन सिंदूर' सीधे तौर पर पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत की सैन्य जवाबी कार्रवाई से जुड़ा है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी समूह द्वारा किए गए हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने जोरदार जवाब दिया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके क्षेत्र में आतंकी ठिकानों और शिविरों पर सटीक हमले करते हुए उन्हें नष्ट कर दिया था। पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। पुर्तगाल में 'ऑपरेशन सिंदूर' आधारित कूटनीति भारत के उस संदेश को विश्व के सामने प्रदर्शित करती है कि, वह सीमा पार आतंकवाद या धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा, चाहे वह हिंसक हमले हों या अंतरराष्ट्रीय विरोध प्रदर्शन। भारतीय अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनयिक मिशन उकसावे के सामने दृढ़ हैं और भारत की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा में एकजुट है। पुर्तगाली अधिकारियों ने भारतीय दूतावास के आसपास कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित की और विरोध के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने में पूरा सहयोग किया। लिस्बन से मिला दृढ़ संदेश भारत की व्यापक विदेश नीति की दिशा स्पष्ट करता है और वैश्विक मंच पर सैन्य निर्णायकता के साथ कूटनीतिक स्पष्टता को प्रदर्शित करता है।

ग्रेनो वेस्ट की सोसायटी में बवाल : कार सवार युवकों ने की गार्ड से मारपीट

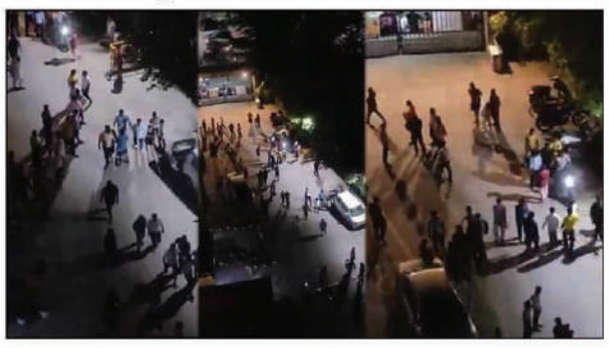

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पार्क एवेन्यू सोसायटी में रात उस समय अफरातफरी मच गई। जब कार सवार कुछ युवकों ने सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट कर दी। आरोप है कि सुरक्षा इस बात से नाराज युवकों ने पहले गार्ड से बहस की। फिर देखते ही देखते मारपीट पर उतर आए। गुस्से में आरोपियों ने सोसाइटी का बूम बैरियर भी तोड़ डाला। घटना की जानकारी मिलते ही सोसाइटी के अन्य लोग मौके पर पहुंच गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

बिसरख कोतवाली पुलिस का मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कराया। कार सवार चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। पूरा विवाद पार्क एवेन्यू सोसायटी के एक गलत रास्ते से प्रवेश करने की कोशिश के दौरान शुरू हुआ।

जब गार्ड ने उन्हें रोका और सही रास्ते से जाने को कहा, तब युवकों ने आपा खो दिया और हाथापाई शुरू कर दी। पीड़ित सुरक्षा गार्ड का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए हैं। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री संसदीय समिति को भारत-पाक तनाव पर जानकारी देंगे

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश सचिव विक्रम मिस्री विदेश मामलों की संसद की स्थायी समिति के समक्ष ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव पर विस्तृत जानकारी देंगे। संसदीय समिति का नेतृत्व कांग्रेस सांसद शशि थरूर करेंगे। यह समिति भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद कूटनीतिक, सैन्य और क्षेत्रीय प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह बैठक पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमा पार बढ़े तनाव के मद्देनजर हो रही है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी। आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने सीमा पार आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर चलाया। भारत की जवाबी कार्रवाई के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों तक तनाव का माहौल रहा। 10 मई को दोनों पक्षों के बीच सीजफायर की घोषणा हुई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री की ओर से पैनल को विभिन्न मुद्दों पर जानकारी देने की उम्मीद है, जिनमें इस्लामाबाद के साथ राजनयिक संबंधों की वर्तमान स्थिति, सीमा पार सुरक्षा चुनौतियां और क्षेत्रीय स्थिरता पर व्यापक प्रभाव शामिल हैं। सूत्रों से पता चला है कि उनकी प्रस्तुति में इस बात पर विस्तार से चर्चा होगी कि बदलते सुरक्षा माहौल के बीच भारत किस तरह अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं को पुनर्निर्धारित कर रहा है। मिस्री ने इससे पहले सदस्यों को विदेश नीति के प्रमुख मुद्दों पर जानकारी दी है, जिसमें बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ भारत के उभरते संबंध और कनाडा जैसे देशों के साथ उसके राजनयिक संबंधों में हाल की प्रगति शामिल है।

भारत-पाकिस्तान संबंधों की नाजुक स्थिति तथा सैन्य तत्परता और कूटनीतिक सावधानी बनाए रखने के रणनीतिक महत्व को देखते हुए यह ब्रीफिंग और भी महत्वपूर्ण है। बता दें कि भारत-पाक के सीजफायर के बाद विपक्षी दल केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर चुके हैं।

दिल्ली में भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा, 'ऑपरेशन सिंदूर' को बताया राष्ट्र गौरव का प्रतीक

एजेंसी

नई दिल्ली, । प्रदेश भाजपा ने रविवार को उत्तर पश्चिम, नजफगढ़ और नई दिल्ली जिलों में तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान भाजपा नेताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के साहसिक अभियान को राष्ट्र सम्मान का प्रतीक बताया। हजारों कार्यकर्ताओं के साथ इन यात्राओं में ओलंपियन विजेंद्र सिंह, विधायक संदीप सहरावत व प्रद्युमन राजपूत और जिला अध्यक्ष रमेश शोखंदा सहित हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। नई दिल्ली और करोलबाग विधानसभा में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए सांसद और प्रदेश मंत्री बांसुरी स्वराज ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आत्मरक्षा और राष्ट्र सम्मान की पुनर्स्थापना का संकल्प है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने मालवीय नगर में यात्रा में कहा कि यह तिरंगा यात्राएं न केवल शहीदों

को श्रद्धांजलि हैं, बल्कि पूरे देश को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का संदेश देती हैं। वहीं, ग्रेटर कैलाश से विधायक शिखा राय ने कहा कि यह यात्रा 'ऑपरेशन सिंदूर' में वीर जवानों ने दिखाए पराक्रम और पीड़ित बहनों के प्रति एकजुटता की प्रतीक है।उत्तर पश्चिम जिले में प्रदेश महामंत्री व सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि भारत अब आतंक के खिलाफ चुप नहीं बैठने वाला है। वहीं, मटियाला व द्वारका विधानसभा में सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से अब कोई भी गोलीबारी सीधे आतंकी गतिविधि मानी जाएगी और भारत उसका मुंहतोड़ जवाब देगा।

संपादक की कलम से

जरूरी है, कृतघ्न तुर्किए को कठोर संदेश देना

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उत्तर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिल चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई, और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो मेड इन चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है। सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वतः तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है। तुर्किये एहसान फरामोशी का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें मिट्टी-मलबा हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है। तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ-512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया।

तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है। पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है।

पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया। भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरूद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है। पर्यटन के अलावा भारतीय बाजारों में तुर्की से आयातित सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है। सेब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी मे। भारत तुर्की से दाल, तिलहन और स्टील जैसी चीजें खरीदता है।

दोनों देशों के बीच व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना थी। लेकिन अब बदले वातावरण में यह संबंध पूर्णत समाप्त हो सकते

नाखूनों में सफेद धब्बे क्यों होते हैं ये किस बीमारी का लक्षण है?

नाखूनों के रंग और स्थिति से भी हमारी सेहत के बारे में पता चलता है. नाखून यदि मजबूत और चमकदार हों तो माना जाता है कि व्यक्ति की सेहत अच्छी है और उसके सभी ऑर्गन सुचारू रूप से काम कर रहे हैं. नाखूनों का खुरदराहोना, गंदि होना, बार बार टूटना और उनका रंग बदलना कई बीमारियों का संकेत होते हैं. नाखूनों पर सफेद धब्बे होना भी बीमारी का ही लक्षण है. हालांकि हम इन्हें नजरअंदाज करते हैं. नाखूनों पर सफेद धब्बे क्यों होते हैं और इसका इलाज क्या है. बता रहे हैं एक्सपर्ट.

नाखूनों पर सफेद धब्बे होना यूं तो बहुत सामान्य बात है और अक्सर यह किसी तरह से भी नुकसानदायक नहीं होते हैं. लेकिन, इनके होने के कई कारण होते हैं. इसके पीछे बीमारी भी होती है. नाखूनों पर सफेद धब्बे फंगस, एलर्जी और कुछ दवाओं के कारण भी हो सकते हैं. इसके अलावा चोट लगने के कारण भी नाखूनों पर सफेद धब्बे पड़ सकते हैं. नाखूनों पर होने वाले सफेद धब्बों को ल्यूकोनीशिया कहा जाता है. यह कई कारणों से हो सकते हैं और इन्हें दूर करने के लिए लंबे समय तक दवाएं भी लेनी पड़ सकती हैं.

किन कारणों से होते हैं सफेद धब्बे

नाखूनों पर सफेद धब्बे ल्यूकोनीशिया होने के कारण कई कारण हो सकते हैं. सामान्य तौर पर यह किसी चोट या किसी संक्रमण, फंगल के कारण हो सकते हैं. इसके अलावा किसी दवा के साइड इफेक्ट के कारण भी ऐसा हो सकता है. इसके अलावा डायबिटीज, हार्ट डिजीज, लिवर की बीमारी और एचआईवी के कारण भी हो सकते हैं. शरीर में आयरन, कैल्शियम और जिंक की कमी के कारण भी नाखूनों पर सफेद धब्बे हो सकते हैं. सामान्य तौर पर यह धब्बे हानिरहित होते हैं और कई बार दवा की भी जरूरत नहीं होती है. जरूरी है कि नाखूनों पर होने वाले सफेद धब्बों का कारण पता किया जाए. नाखूनों पर सफेद धब्बे होने पर डॉक्टर से मिलकर जांच जरूर करवानी चाहिए. यदि किसी बीमारी के कारण धब्बे नहीं हैं तो इलाज की खास जरूरत नहीं होती है।

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

- ललित गर्ग

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है। पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है।। भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ित होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़स है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए। शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे। सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा।

ऑपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे। पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हो, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है।

श्रेष्ठ सफलता के लिए चिंता नही चिंतन की आवश्यकता

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं' निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों' मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके' कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है' निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है' जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है' बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं' सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं' मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए ' यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है' यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है' मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं' सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए'इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है' और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है' भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है'ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा भारतीय की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।

डिजिटल युग में बचपन और रिश्तों का संकट

डिजिटल युग ने जहां हमारी दुनिया को एक-दूसरे के बेहद करीब ला दिया है, वहीं इसके प्रभाव ने बच्चों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों में गहरे बदलाव भी ला दिए हैं। आज के बच्चे आँगन की मिट्टी छोड़कर स्मार्टफोन, टैबलेट और गेमिंग की आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं। उनका बचपन अब स्क्रीन की चकाचौंध में डूबा है, जिससे न केवल पारिवारिक रिश्ते कमजोर हो रहे हैं, बल्कि उनकी मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक सेहत पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।कुछ दशक पहले का बचपन आज से बिलकुल अलग था। आँगन में कंचे खेलना, मिट्टी में खेलना, दौड़-भाग और गली-मोहल्ले में दोस्तों के साथ मस्ती करना, हर बच्चे की जिंदगी का अनिवार्य हिस्सा था। बच्चे पसीने से तरबतर होकर घर आते थे। माँ की ममता भरी थपकी और दादी की कहानियाँ उनके दिन की खुशी का आधार हुआ करती थीं। उस वक्त डिजिटल उपकरणों का नामोनिशान भी नहीं था।आज का बचपन बदले हुए दौर की पहचान है। बच्चे मोबाइल फोन, टैबलेट और वीडियो गेम्स की दुनिया में उलझे रहते हैं। वे घंटों एक छोटी सी स्क्रीन के सामने बैठकर आभासी पात्रों के साथ लड़ते-झगड़ते हैं, लेकिन असली दुनिया से उनकी दूरी बढ़ती जा रही है। वे पारिवारिक संवाद और वास्तविक सामाजिक मेलजोल से दूर हो रहे हैं।मनोवैज्ञानिक और शोधकर्ता इस बात पर सहमत हैं कि बच्चों में स्क्रीन टाइम का अत्यधिक उपयोग उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिए नुकसानदायक है। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य सर्वेक्षण-2023 के अनुसार, 12-18 वर्ष के लगभग 75% बच्चे दिन में चार से छह घंटे तक मोबाइल या टैबलेट का उपयोग करते हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक इस उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम दो घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। अधिक देर तक स्क्रीन देखने से बच्चों की नींद प्रभावित होती है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती है और मानसिक तनाव बढ़ता है। इससे अवसाद, चिड़चिड़ापन और अकेलेपन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। साथ ही शारीरिक रूप से भी वे सक्रिय नहीं रहते, जिससे मोटापा, दृष्टि की कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं।परिवार के सदस्य भी एक-दूसरे के साथ समय बिताने की बजाय अपने-अपने मोबाइल या डिजिटल उपकरणों में खोए रहते हैं। भोजन करते समय भी अधिकतर लोग फोन पर व्यस्त रहते हैं। बच्चों के साथ संवाद की कमी उनके और माता-पिता के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ा रही है। बच्चे अपने मन की बात कहने में संकोच करते हैं, जिससे उनका मनोबल कमजोर होता है। परिवार में संवाद की कमी से बच्चों की समझ और सहानुभूति विकसित नहीं हो पाती। वे अपनी भावनाओं को सही ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते, जो रिश्तों में दरार का कारण बनता है। इसका असर उनकी सामाजिक व्यवहार, दोस्ती और रिश्तों की गुणवत्ता पर भी पड़ता है।स्क्रीन के सामने बिताया गया अधिक समय बच्चों के सामाजिक कौशल को प्रभावित करता है। वे वास्तविक जीवन के संपर्क में कम आते हैं, जिससे उनकी संवाद क्षमता, सहनशीलता और टीम भावना कमजोर होती है। बच्चे जो जीवन के अनुभवों और अलग-अलग लोगों से मिलने-जुलने से सीखते हैं, वे अनुभव डिजिटल माध्यम से पूरी तरह से नहीं हो सकते। भावनात्मक विकास के लिए भी पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक मेलजोल की जरूरत होती है। बच्चे अपनी खुशियों, दुखों और परेशानियों को परिवार या करीबी दोस्तों के साथ बांटकर मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। परंतु डिजिटल युग में इस आदत का टूटना, बच्चों को अकेला और असहाय महसूस कराता है।आज के बच्चे अपनी दोस्ती को ह्यफॉलोअर्सह्ल, ह्यलाइक्सह्ल और ह्यकमेंट्सह्ल तक सीमित कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जो मित्रता होती है, वह अक्सर सतही और अस्थायी होती है। आभासी मित्रों से मिलने वाली स्वीकार्यता अस्थायी संतुष्टि देती है, लेकिन असली जीवन के कठिन समय में वे समर्थन नहीं दे पाते। गेमिंग की दुनिया में बच्चे जीतने के लिए कई बार आपस में लड़ते हैं, झूठ बोलते हैं या अनैतिक रास्ते अपनाते हैं। यह उनकी नैतिकता और व्यवहार को प्रभावित करता है। खेलों की इस प्रतिस्पर्धा में बच्चों का आपसी प्रेम और सम्मान कम होता जा रहा है।बच्चों के इस डिजिटल मोह को समझना और नियंत्रित करना आज माता-पिता और शिक्षकों की जिम्मेदारी है। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों के साथ समय बिताएं, उनकी रुचियों को समझें और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। उन्हें चाहिए कि वे बच्चों के मोबाइल और इंटरनेट के उपयोग पर नजर रखें और उचित समय सीमा तय करें। स्कूलों में भी डिजिटल लत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम होने चाहिए, जहाँ बच्चों को डिजिटल संतुलन का महत्व समझाया जाए। बच्चों को प्राकृतिक खेलों, कला, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि उनका मानसिक विकास स्वस्थ हो।

चीन में भूकंप से हिली धरती, बीजिंग में महसूस किए गए तेज झटके

एजेंसी

हांगकांग/बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में रात को भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.5 दर्ज की गई। भूकंप स्थानीय समयानुसार आधीरात बाद 01:21 बजे पास के बंदरगाह शहर तियानजिन के उपनगर में 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर आया। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी और इसका केंद्र पड़ोसी हेबेई प्रांत के योंगकिंग काउंटी में बताया। सीएनएन चैनल के अनुसार, भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों की नींद टूट गई। विद्यार्थी अपने छात्रावासों से भाग खड़े हुए। चीन के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कमरों के पंखे और अन्य सामान तेजी से हिलते नजर आ रहे हैं। बीजिंग भूकंप एजेंसी ने कहा कि भूकंप का केंद्र बीजिंग से मात्र 13 किलोमीटर की दूरी पर था। राजधानी के कुछ इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने बयान में कहा कि इससे शहर की इमारतों को कोई संरचनात्मक क्षति नहीं हुई। दैनिक जीवन या उत्पादन के सामान्य कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 22 मिलियन लोगों की आबादी वाला महानगर बीजिंग समय-समय पर आसपास के भूकंपों के झटकों से प्रभावित होता रहा है। बीजिंग का मैदान भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है और एक दर्जन से अधिक भूकंपीय फॉल्ट लाइनों का घर है।

पुतिन की यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से होगी बात

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करेंगे। क्रेमलिन ने पुष्टि की कि दोनों नेता बात करेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ-साथ नाटो के नेताओं को भी फोन करेंगे। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में यह जानकारी दी गई। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कल संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की है। फ्रांस और ब्रिटेन के नेता भी पुतिन से बात करने से पहले ट्रंप से बात करने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप और पुतिन की यह बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब रूस ने लगभग 273 विस्फोटक ड्रोन के माध्यम से यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला किया है। इसबीच पोप लियो ने भी शुक्रवार को वेटिकन में यूक्रेन-रूस वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की। इसके बाद कल जेलेंस्की ने उनसे निजी तौर पर मुलाकात की। सीएनएन न्यूज चैनल के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने पोप लियो 14 के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और बाद में उनसे निजी तौर पर मुलाकात की।

पहले अमेरिकी पोप लियो चौदहवें ने संभाली कमान, दिया एकता का संदेश

वेटिकन सिटी। इतिहास में पहली बार अमेरिका से चुने गए पोप, पोप लियो चौदहवें ने अपने आधिकारिक पोंटिफिकेट (पोप पद) की शुरुआत की। उन्होंने कैथोलिक चर्च और दुनिया में व्याप्त ध्रुवीकरण को खत्म करने और एकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। यह संदेश उन्होंने संत पेत्रुस स्क्वायर में आयोजित एक भव्य उद्घाटन समारोह में दिया, जहां लगभग 2 लाख श्रद्धालु, राष्ट्राध्यक्ष, धार्मिक नेता और शाही प्रतिनिधि मौजूद रहे। 69 वर्षीय अगस्टिनियन मिशनरी पोप लियो चौदहवें ने अपने पहले पोपमोबाइल यात्रा के दौरान भीड़ का अभिवादन किया, बच्चों को आशीर्वाद दिया और अमेरिकी, पेरूवियन समेत कई देशों के झंडे लहराते श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान उस समय एक भावुक क्षण आया जब पोप को पोप पद की दो महत्वपूर्ण धार्मिक वस्तुएं 'भेड़ की ऊन से बनी स्टोल' (कंधे की पट्टी) और 'फिशरमैन रिंग' (मछुआरे की अंगूठी) सौंपी गई। अंगूठी पहनने के बाद उन्होंने कुछ क्षणों तक उसे देखा और फिर अपने हाथ जोड़कर प्रार्थना की, जैसे कि उन्हें उस विशाल जिम्मेदारी का एहसास हुआ हो जो 1.4 अरब कैथोलिकों का नेतृत्व करने से जुड़ी है।

द हेग में गाजा पर हमले के विरोध में विशाल प्रदर्शन, हजारों लोगों ने की शांतिपूर्ण रैली

द हेग। नीदरलैंड की राजधानी द हेग की सड़कों पर गाजा में जारी इजराइली सैन्य अभियान के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। आयोजकों के अनुसार, यह पिछले 20 वर्षों में देश का सबसे विशाल जनआंदोलन था। इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए, जिनमें वरिष्ठ नागरिक, युवा और छोटे बच्चों को साथ लिए माता-पिता तक नजर आए। अधिकांश प्रदर्शनकारी लाल रंग के वस्त्र पहने हुए थे, जो इस प्रदर्शन की एकता और गंभीरता का प्रतीक था। एक प्रदर्शनकारी शिक्षिका रूस लिंगबीक अपने पति और 12 सप्ताह की बेटी 'डिडो' के साथ रैली में शामिल हुई थी। उसने कहा, हमें उम्मीद है कि यह प्रदर्शन सरकार के लिए एक चेतावनी बनेगा। गाजा में जो हो रहा है, वह अस्वीकार्य है। इस दौरान, उनकी बेटी डिडो एक कैरियर में सोती रही, जबकि माता-पिता ने हाथ में एक सादा सा बोर्ड पकड़ा था, जिस पर लिखा था - स्टॉप।

बलूचिस्तान में लोगों को बलपूर्वक गायब कर रहा पाकिस्तान, 'पांक' ने की आलोचना

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान सरकार द्वारा बलूचिस्तान क्षेत्र से लोगों को जबरन गायब करने की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। एक मानवाधिकार संस्था ने पाकिस्तान के इस कृत्य को 'मानवता के विरुद्ध अपराध' बताया है। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग, 'पांक' ने सोमवार को खुलासा किया कि, पाकिस्तानी सेना ने सात और बलूचों को जबरन गायब कर दिया है। रविवार को, मस्तुंग के किल्ली शेखान इलाके के निवासी वजीर खान के बेटे वकास बलूच को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने जबरन हिरासत में लिया और उसके घर से ले गए। मई महीने में ऐसी घटना कई बार हो चुकी है। अन्य पीड़ितों का खुलासा करते हुए 'पांक' ने कहा, '18 मई, 2025 को, पाकिस्तानी सेना ने ग्वादर जिले के पसनी तहसील के जिमुरी इलाके के निवासी इज्जत बलूच के बेटे नवीद

बलूच को, मस्तुंग के किल्ली शादी खान इलाके के निवासी सालेह मुहम्मद शाद के बेटे एडवोकेट चीफ अत्ताउल्लाह बलूच को जबरन उसके घर से हिरासत में लिया और फिर गायब कर दिया। 16 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों ने बरपी के बेटे शाह नवाज बलूच को उसके पिता के साथ मिलिटरी कैंप नाली बुलाया था, जो अवारन जिले के मश्कई तहसील के लकी इलाके में रहता था। उसके पिता को जाने की अनुमति दे दी गई, लेकिन शाह नवाज को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया और तब से वह गायब है।'

एक अन्य घटना में, 17 मई को, नसीराबाद के निवासी अमीन उल्लाह बलूच को सेना ने कलात के शेखरी इलाके से जबरन गायब कर दिया था। उसी दिन से, नसीराबाद के निवासी 13 वर्षीय फियाज अली का कोई पता नहीं चल रहा है। मानवाधिकार संस्था ने आगे बताया कि शनिवार को, नसीराबाद के निवासी पेशे से जमींदार नियाज अली को कलात के शेखरी इलाके से जबरन गायब कर दिया गया था। पिछले सप्ताह पांक ने खुलासा किया था, अप्रैल और मई के बीच, बलूचिस्तान के कई जिलों में पांच और लोगों को जबरन गायब कर दिया गया था। लगातार हो रही ये घटनाएं क्षेत्र में भय, दंड से मुक्ति और राज्य दमन के निरंतर माहौल को दिखा रही हैं।

माउंट एवरेस्ट के शिखर पर एक दिन में पहुंचे 135 पर्वतारोही

एजेंसी

काठमांडू। पर्वतारोहियों के लिए दिन बेहद अनुकूल रहा। मौसम ने साथ दिया और एक ही दिन में 135 पर्वतारोही दुनिया की सबसे ऊंची चोटी सागरमाथा (माउंट एवरेस्ट) के शिखर तक पहुंचने में सफल रहे। नेपाल के पर्यटन विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि मौसम की स्थिति अनुकूल होने के कारण 18 मई को एक ही दिन में कुल 135 पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट के शिखर पर सफलतापूर्वक पहुंचे। यह वसंत चढ़ाई के मौजूदा मौसम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।एवरेस्ट बेस कैंप में विभाग के अस्थायी फील्ड ऑफिस के अनुसार, अनुकूल मौसम होने के कारण बड़ी संख्या में पर्वतारोहियों को माउंट एवरेस्ट के शिखर तक पहुंचने में मदद मिली। आज कई और लोगों के भी प्रयास करने की उम्मीद है।विभाग के निदेशक हिमाल गौतम ने कहा कि 18 मई का दिन इस सीजन के लिए एक बड़ा दिन साबित हुआ, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में पर्वतारोही शिखर पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि सीजन के शुरुआती दिनों में मौसम अनुकूल नहीं होने से पर्वतारोहियों के विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचने में देरी हुई, लेकिन पिछले तीन दिनों से मौसम साफ होने, हवा का दबाव कम होने, बर्फीले तूफान के नहीं आने के कारण में सफल चढ़ाई में वृद्धि देखी गई है। निर्देशक गौतम ने कहा कि इस सत्र में अब तक 200 से अधिक पर्वतारोही शिखर पर पहुंच चुके हैं, जिनमें से कई और पर्वतारोही सोमवार को शिखर पर चढ़ाई को पूरी कर सकते हैं। रविवार के सफल पर्वतारोहियों में फोटो पत्रकार और रिकॉर्ड धारक पूर्णिमा श्रेष्ठ शामिल हैं, जिन्होंने लगातार पांचवीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की है।

अमेरिका में ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत, एक लापता

एजेंसी

कोलंबस। ओहियो के फ्रेमोंट में एक ट्रेन की चपेट में आ जाने से कई पैदल यात्रियों की मौत हो गई, वहीं एक व्यक्ति लापता हो गया है। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी है। फ्रेमोंट शहर के माइल्स न्यूटन ब्रिज के पास यह घटना रविवार की शाम 7 बजे के आसपास घटी। यह शहर टोलेडो और क्लीवलैंड के बीच एरी झील के किनारे स्थित है। फ्रेमोंट पुलिस विभाग ने लापता व्यक्ति की खोज शुरू कर दी है। इसके लिए पुलिस मुख्य रूप से सैंडुस्की नदी पर ध्यान केंद्रित कर रही है। फ्रेमोंट के मेयर डैनी सांचेज ने दो मौतों की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दोनों मृतक व्यस्क थे। मृतकों की पहचान तब तक जारी नहीं की जाएगी जब तक उनकी डेड बॉडी उनके परिजनों को सौंप न दी जाए। मेयर ने इस घटना में किसी और व्यक्ति के घायल होने या फिर कितने व्यक्तियों को चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता है, इस पर कोई विवरण नहीं दिया। हादसे के तुरंत बाद, अधिकारियों ने राहत और बचाव कार्य और लापता व्यक्ति को ढूंढने के उद्देश्य से तुरंत माइल्स न्यूटन ब्रिज को बंद कर दिया।फ्रेमोंट पुलिस ने 'एक्स' पर

एक सार्वजनिक सलाह जारी की, जिसमें निवासियों और आसपास के लोगों से क्षेत्र में आने से बचने का आग्रह किया गया क्योंकि ताकि वहां राहत कार्य में लगे कर्मचारियों को परेशानी न हो। घटना के कारण और परिस्थितियों की जांच जारी है। अधिकारियों ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि ट्रेन के गुजरने के समय कितने लोग पटरियों पर या उसके आस-पास थे। इस घटना पर कई कानूनी और आपातकालीन एजेंसियों की प्रतिक्रिया आई है। घटना ने स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि अधिकारी लापता व्यक्ति के लिए तलाश अभियान चला रहे हैं। साथ ही उन कारणों का पता लगाने की कोशिश भी कर रही हैं जिसकी वजह से यह त्रासदी हुई।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को हुआ गंभीर प्रोस्टेट कैंसर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हुआ है, और डॉक्टरों के अनुसार यह तेजी से फैलने वाला है। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, पिछले हफ्ते राष्ट्रपति बाइडेन में यूरीन से जुड़ी कुछ समस्याएं बढ़ गई थीं। जांच में उनके प्रोस्टेट में एक गांठ पाई गई। शुक्रवार को उन्हें प्रोस्टेट कैंसर की पुष्टि हुई। यह कैंसर हड्डियों तक फैल चुका है और इसे काफी गंभीर माना जा रहा है। हालांकि यह बीमारी तेजी से फैलने वाली है, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह हार्मोन पर असर करने वाली किस्म की है, जिससे इसका इलाज संभव है। राष्ट्रपति बाइडेन और उनके परिवार वाले डॉक्टरों से इलाज के विकल्पों पर बात कर रहे हैं राष्ट्रपति बाइडेन की उम्र 82 साल है। वे अमेरिका के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति रहे हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने पद छोड़ा और डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराकर दूसरी बार राष्ट्रपति पद

संभाला है। इस घोषणा के बाद पूरे अमेरिका में लोग हैरान हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'मेलानिया और मैं जो बाइडेन की बीमारी की खबर से दुखी हैं। हम जिल और पूरे परिवार को शुभकामनाएं देते हैं और जो के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने 'एक्स' पर लिखा, जो बाइडेन और उनके परिवार के लिए प्रार्थना कर रहा हूं कि वे इस कैंसर से लड़ाई जीतें। जो और जिल हमेशा से संघर्षशील रहे हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस चुनौती का भी बहादुरी से सामना करेंगे। यह खबर ऐसे समय आई है जब राष्ट्रपति बाइडेन के स्वास्थ्य को लेकर पहले से ही चर्चा हो रही थी। कुछ लोग उनकी मानसिक स्थिति और निर्णय क्षमता पर सवाल उठा रहे हैं, खासकर कुछ डेमोक्रेट नेताओं ने भी चिंता जताई है। जो बाइडेन ने अपने बेटे ब्यू बाइडेन को 2015 में कैंसर के कारण खो दिया था। तभी से वे कैंसर के इलाज के लिए विशेष पहल चला रहे हैं।

काठमांडू से लुक्ला जा रहे विमान के इंजन में खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में एक बार फिर उस वक्त एक बड़ा विमान हादसा टल गया जब इंजन में खराबी के बाद उसकी सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करा दी गई। पायलट की सूझबूझ के कारण 19 यात्रियों सहित 21 लोगों की जान बच गई। काठमांडू से लुक्ला की तरफ जा रहे समिट एयर के विमान में खराबी आने के कारण बीच रास्ते से ही उसे वापस होना पड़ा। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा से सुबह 6 बजकर 12 मिनट पर उड़ान भरने वाले समिट एयर के विमान एसएमए303 कुछ ही देर में इंजन में खराबी आने के बाद वापस काठमांडू लौटना पड़ा। उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के सूचना अधिकारी तेज बहादुर पौडेल ने बताया कि 6:12 मिनट पर काठमांडू से उड़ान भरने वाले समिट एयर के पायलट ने काठमांडू एटीसी को ट्विनअटर विमान के एक इंजन में खराबी होने की सूचना देते हुए इमरजेंसी लैंडिंग के लिए जानकारी दी। पौडेल के मुताबिक उड़ान भरने के 10 मिनट बाद ही विमान के इंजन में खराबी का पता लगते ही काठमांडू में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हवाईअड्डा के प्रवक्ता पौडेल ने कहा कि चालक दल के तीन सदस्यों सहित 19 यात्रियों के साथ इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान काठमांडू एयरपोर्ट को थोड़ी देर के लिए बंद कर दिया गया। उन्होंने बताया कि किसी भी संभावित दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए अन्य विमानों की उड़ान और लैंडिंग को रोक दिया गया। इस दौरान रन-वे के आसपास दमकल और एंबुलेंस को भी बुला लिया गया। समिट एयर ने जारी बयान में कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। इंजन में समस्या आने के कारण इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इस समय समिट एयर की टेक्निकल टीम विमान के इंजन में आई खराबी को ठीक करने में जुटी हुई है।

मिस्र के राष्ट्रपति ने अमेरिकी अधिकारी से 'गाजा' में तत्काल युद्ध विराम का आग्रह किया

एजेंसी

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने एक अमेरिकी अधिकारी के साथ बैठक के दौरान गाजा पट्टी में तत्काल युद्ध पर रोक लगाने और युद्धग्रस्त क्षेत्र में मानवीय सहायता के प्रवाह को आसान बनाने का आग्रह किया। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, ÷राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने काहिरा में अफ्रीका के लिए अमेरिका के वरिष्ठ सलाहकार और अरब, मध्य पूर्वी मामलों पर राष्ट्रपति के सलाहकार मासाद बौलोस के साथ बैठक में 'गाजा' पर युद्ध विराम का आग्रह और मानवीय सुविधाओं को सुगम बनाने की अपील की।'

बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व में नवीनतम घटनाक्रमों और क्षेत्रीय स्थिरता को बहाल करने के तरीकों पर चर्चा की। राष्ट्रपति सिसी ने 'गाजा' में युद्ध विराम के

लिए मिस्र, अमेरिका और कतर की संयुक्त मध्यस्थता प्रयासों की सराहना की और समन्वय जारी रखने के लिए मिस्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, बौलोस ने मध्य पूर्व में शांति बहाल करने के लिए मिस्र के साथ संयुक्त प्रयासों को जारी रखने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो सभी पक्षों के हितों की पूर्ति करता है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब शनिवार को दोहा में इजरायल और हमास के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता का एक नया दौर आयोजित किया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, इजरायली वार्ता दल दोहा में सौदे के हर अवसर का लाभ उठाने के लिए काम कर रहा है, जिससे लड़ाई समाप्त होगी, गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए 58 लोगों की रिहाई सुनिश्चित होगी, हमास आतंकवादियों को बाहर निकाला जाएगा, और गाजा को निरस्त्र किया जाएगा। इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित 34वें अरब शिखर सम्मेलन में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अरब की योजना को अपनाने का आग्रह किया था। महमूद अब्बास ने कहा था कि इजरायली कब्जे को समाप्त करके ही फिलिस्तीन में पूर्ण शांति स्थापित की जा सकती है।

बांग्लादेश में समाज के दुश्मनों ने मददगार बुजुर्ग के घोड़े की हत्या की

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के समाचार पत्रों और न्यूज वेबसाइट में आज एक घोड़े की हत्या की सुर्खी चर्चा के केंद्र में है। यह घोड़ा इसलिए खास है कि इसके मालिक 67 वर्षीय मनु मिया खुद अस्पताल में जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मनु मिया ने अब तक देश के 3,057 लोगों को सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए कब्र खोदी हैं। और इसके लिए किसी से एक टका भी नहीं लिया और न ही अन्य कोई सहायता स्वीकार की। समाज के खातिर अपना खेत बेचकर घोड़ा खरीदा और वह उनके इस कार्य में सदैव हमराह रहा। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, मनु मिया किसी की भी मौत की खबर

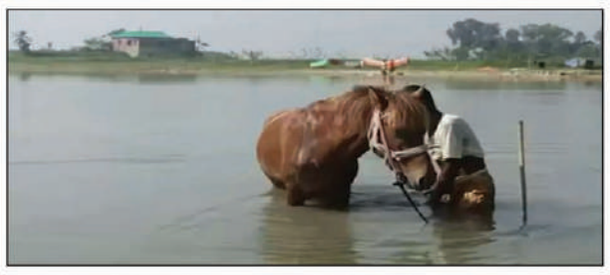

सुनते ही अपने प्रिय घोड़े पर सवार होकर जरूरी औजारों के साथ कब्रिस्तान की ओर दौड़ पड़ते थे। अनजान लोगों की अंतिम यात्रा में किसी खास साथी की तरह मदद के लिए सच्चे हाथ आगे बढ़ाते रहे हैं। उन्होंने अपने 50 साल के जीवन में अब तक 3,057 कब्रें खोदी हैं। इसके लिए कभी किसी कुछ नहीं लिया। हां, डायरी में जरूर हर उस व्यक्ति का नाम, पता और समय दर्ज किया , जिसे उन्होंने दफनाया दूरदराज के इलाकों में जल्दी पहुंचने के लिए मनु मिया ने कई साल पहले अपने धान के खेत बेचकर एक घोड़ा खरीदा। वे अपने सारे औजार और उपकरण इसी घोड़े पर लादकर ले जाते थे। गांव-गांव दौड़ते हुए निस्वार्थ सेवा करते थे। ऐसा लगता था मानो घोड़े ने उनकी उम्र की बाधा को पार करके उन्हें सक्रिय रखा हो। मनु मिया के शरीर में जटिल बीमारियों ने जड़ें जमा ली हैं। कुछ समय पहले वे बिस्तर पर पड़ गए और 14 मई को राजधानी ढाका के धानमंडी में बांग्लादेश मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती हुए। यही वह नाजुक समय है जब उनका प्रिय घोड़ा बर्बरता का शिकार हुआ। घर पर मनु मिया और उनकी पत्नी रहीमा बेगम की अनुपस्थिति में घोड़ा अभिभावक विहीन हो गया। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने किशोरगंज के पड़ोसी मिथामोइन उपजिला के हाशिमपुर छत्रिस गांव में एक मदरसे के बगल में एक जलाशय में घोड़े का शव पड़ा देखा।

कान्स में फिर छाई उर्वशी रौतेला, स्टनिंग लुक ने खींचा सबका ध्यान

एजेंसी

कान्स। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और भव्य फिल्म समारोहों में से एक 78वां कान्स फिल्म फेस्टिवल 13 मई से शुरू हो चुका है और यह 24 मई तक चलेगा। हर साल की तरह इस बार भी भारतीय सितारों ने रेड कार्पेट पर अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई है। अब तक कान्स 2025 में जैकलीन फर्नांडिस, नितांशी गोयल और नैन्सी त्यागी ने अपने स्टाइल और ग्लैमर से सबका ध्यान खींचा है। उर्वशी रौतेला भी इस बार दूसरी बार रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती नजर आईं। कान्स फिल्म फेस्टिवल से उर्वशी रौतेला का दूसरा लुक भी सामने आ गया है। इस बार वह क्लासिक ब्लैक गाउन में नजर आईं, जिसे उन्होंने एक स्टाइलिश पिंक पर्स के साथ पेयर किया। इससे पहले अपने पहले लुक में उर्वशी ने रंग-बिरंगे ऑफ-शोल्डर गाउन के साथ

सिर पर खूबसूरत ताज पहना था, जिसने उनके लुक को शाही अंदाज दिया। साथ ही वह एक शानदार क्रिस्टल तोता क्लच लिए दिखीं, जिसकी कीमत करीब 4.60 लाख रुपये बताई जा रही है। उर्वशी इससे पहले भी कई बार कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

चीन ने अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और ताइवान से आयातित प्लास्टिक पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और ताइवान से आयात होने वाले पॉलीऑक्सीमेथिलीन (पीओएम) को-पॉलीमर पर कड़े एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की घोषणा की है। ये शुल्क अमेरिका से आने वाले आयात पर सबसे अधिक 74.9 फीसदी तक लगाए गए हैं। चीन की ओर से यह फैसला उस जांच के निष्कर्ष के बाद लिया गया, जिसमें उसके वाणिज्य मंत्रालय ने मई 2024 में शुरू की थी। यह जांच अमेरिका द्वारा चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों, चिप्स और अन्य उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने के कुछ ही समय बाद शुरू की गई थी। वाणिज्य मंत्रालय ने पहले जनवरी में ही प्रारंभिक जांच में यह पाया था कि इन देशों से डंपिंग की जा रही है। इसके बाद 24 जनवरी 2025 से अग्रिम जमा राशि के रूप में अस्थायी शुल्क लगाए गए थे।

चीन की ओर से लगाए गए एंटी डंपिंग शुल्क के तहत अमेरिका पर सबसे अधिक 74.9 प्रतिशत का शुल्क लगा है। जबकि यूरोपीय संघ पर 34.5 प्रतिशत, जापान पर सामान्यतः 35.5 फीसदी लेकिन असाही कासे कॉर्प पर 24.5 प्रतिशत का शुल्क लगा है। वहीं, ताइवान पर सामान्यतः 32.6 प्रतिशत लेकिन फॉर्मोसा प्लास्टिक्स पर सिर्फ 4 फीसदी और और पॉली प्लास्टिक ताइवान पर 3.8 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कार बम विस्फोट,चार की मौत, 20 घायल

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के किला अब्दुल्ला में एफसी फोर्ट (किला अब्दुल्ला) के पास कल एक कार बम विस्फोट में कम से कम चार लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट किला अब्दुल्ला की पिछली दीवार से सटे जब्बार मार्केट के पास हुआ। पाकिस्तान के अखबार द नेशन की खबर के अनुसार, डिप्टी कमिश्नर रियाज खान ने बताया कि विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि शक्तिशाली विस्फोट में कई वाहन और दुकानें भी नष्ट हो गईं। आतंकवादी जाहिर तौर पर एफसी फोर्ट की दीवार को निशाना बनाना चाहते थे।

विस्फोट के तुरंत बाद इलाके में भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। किला अब्दुल्ला के डिप्टी कमिश्नर ने विस्फोट की पुष्टि की और कहा कि बम एक कार में लगाया गया था,

जिसे एफसी कैंप के पास एक व्यस्त बाजार में पार्क किया गया था। रियाज खान के अनुसार, विस्फोट में एफसी और अन्य सुरक्षा बलों के कर्मियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण कुछ घायल लोगों को क्वेटा स्थानांतरित किया जा रहा है। विस्फोट के समय कबायली नेता हाजी फैजुल्लाह खान गबीजई भी अपने कार्यालय में मौजूद थे। घायलों में कबायली नेता, उनके सुरक्षा गार्ड और एक राहगीर भी शामिल हैं। विस्फोट के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों की बड़ी टुकड़ियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी और निकासी अभियान शुरू कर दिया। एक अलग घटना में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एफसी किला गुलिस्तान चौकी पर हथगोले से हमला किया। एफसी कर्मियों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया। एफसी बलूचिस्तान के प्रवक्ता के अनुसार, आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कुछ समय तक गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने कहा कि एफसी किला गुलिस्तान चौकी के आसपास की स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में पूरी सतर्कता बरती गई है। 2021 में तालिबान शासकों के अफगानिस्तान लौटने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के सीमावर्ती प्रांतों में सबसे ज्यादा खूनखराबा हुआ है ।

इंग्लैंड दौरे से पहले सख्त डाइट और ट्रेनिंग पर सरफराज खान, वजन में की भारी कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने खूब पसीना बहा रहे हैं और जमकर मेहनत कर रहे हैं। सरफराज फिट होने की राह पर हैं और सख्त डाइट प्लान के जरिए उन्होंने 10 किलो वजन भी घटाया है। एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी साझा की गई है। पिछले साल 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले सरफराज ने एक भी विदेशी टेस्ट मैच नहीं खेला है। बल्लेबाज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया है। इस बार उन्हें भी टीम में मौका मिले इसके लिए वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं क्योंकि यही एक चीज में जिसे लेकर उन्हें अकसर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। भारत ए को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच (30 मई-2 जून को कैंटरबरी में और 6-9 जून को नॉर्थम्प्टन में) और सीनियर इंडिया टेस्ट टीम के खिलाफ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच (13-16 जून को बेकेनहैम में) खेलना है। 18 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा कि शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन 3 जून को आईपीएल 2025 के समाप्त होने के बाद इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले भारत 'ए' टीम में शामिल होंगे।

सबसे तेज केएल राहुल, 8 हजार रन पूरे, कोहली का रिकॉर्ड भी टूटा

जयपुर। भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने टी20 क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने मात्र 224 पारियों में 8000 रन पूरे कर लिए, जिसके साथ वह इस उपलब्धि तक सबसे तेज पहुंचने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। यह शानदार प्रदर्शन उन्होंने आईपीएल 2025 के 60वें मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए बनाया। ऐसा कर वह सबसे तेज 8 हजार रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं। उनसे पहले कोहली ने 243 पारियों में ऐसा किया था।

सबसे तेज 8000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

क्रिस गेल - 213 पारी
बाबर आजम - 218 पारी
केएल राहुल - 224 पारी
विराट कोहली - 243 पारी
मोहम्मद रिजवान - 244 पारी

केएल राहुल की शतकीय पारी देखने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के केविन पीटरसन ने कहा कि खिलाड़ियों को बैठकर खेलते हुए देखना मुश्किल है, खासकर उस दबाव की स्थिति में जिसमें हम खुद को पाते हैं, हमने अच्छी शुरुआत की, फिर लड़खड़ा गए, लेकिन ब्रेक ने हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया होगा। केएल शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करना चाहता था और जब वह पूरी तरह से लय में होता है तो उसे देखना बहुत अच्छा लगता है। जब आप उस गुणवत्ता के खिलाड़ियों को देखते हैं, उन्हें अभ्यास करते हुए देखते हैं और फिर मैच के दौरान उन्हें खेलते हुए देखते हैं, तो यह देखना अच्छा लगता है।

राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ की रेस से बाहर, भावुक हुए राहुल द्रविड़, कही यह बात

जयपुर। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को उम्मीद है कि राजस्थान रॉयल्स के युवा भारतीय खिलाड़ियों को जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा जिससे उन्हें अगले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए मजबूत वापसी करने में मदद मिलेगी। पंजाब किंग्स के खिलाफ रविवार को यहां 10 रन से हारने पर राजस्थान रॉयल्स को लगातार 5वीं हार का सामना करना पड़ा। द्रविड़ ने मैच के बाद कहा कि हमारे पास बहुत सारे युवा, अच्छे भारतीय बल्लेबाज हैं। आज भी जायसवाल ने, वैभव ने, ध्रुव जुरेल ने जैसी बल्लेबाजी की। संजू, रियान ने दम दिखाया, उसे देखते हुए वे एक साल में और भी बेहतर होंगे। द्रविड़ ने फिर बताया कि रॉयल्स के युवा खिलाड़ी एक साल बाद कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैभव (सूर्यवंशी) बहुत क्रिकेट खेलेंगे जैसे भारत अंडर-19 में। रियान पराग भी बहुत क्रिकेट खेलेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि ये सभी खिलाड़ी पूरे साल भारत के लिए बहुत क्रिकेट खेलेंगे जो मुश्किल क्रिकेट, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होगा। द्रविड़ ने कहा कि इसलिए उम्मीद है कि जब वे अगले साल यहां वापस आएंगे तो वे अधिक अनुभवी होंगे।

शुभमन गिल ने रचा नया कीर्तिमान, 5 हजार टी20 रन पूरे, छठे सबसे तेज बल्लेबाज

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान और स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने टी20 क्रिकेट में एक और शानदार उपलब्धि अपने नाम कर ली। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के 60वें मैच में केवल 154 पारियों में 5000 रन पूरे कर लिए, जिसके साथ वह इस आंकड़े तक सबसे तेज पहुंचने वाले छठे बल्लेबाज बन गए। यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया, जहां गिल ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। क्रिस गेल - 132 पारी, केएल राहुल - 143 पारी, शॉन मार्श - 144 पारी, डेवोन कॉनवे - 144 पारी, बाबर आजम - 145 पारी, शुभमन गिल - 154 पारी।

बी. इंदिरा : एथलीटों के भरोसे से प्रशस्त हुई उनकी प्रसिद्धि की लंबी राह

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने प्रदेश के खेल विकास प्राधिकरण की अनुभवी ट्रैक और फील्ड कोच बी. इंदिरा को 'सर्वश्रेष्ठ कोच' पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह सम्मान इंदिरा के अथक प्रयासों और राज्य में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

बी. इंदिरा की जीवन यात्रा, जो एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक के रूप में उनकी भूमिका से शुरू हुई, दृढ़ता और अपने एथलीटों के प्रति गहरे समर्पण से प्रेरित है। यह समान उनके महत्वपूर्ण सफलताओं, विशेष रूप से ओलंपियन प्रवीण चित्रवेल के साथ उनके संबंधों पर आधारित है , जो उनके छात्रों को निरंतर प्रोत्साहित करने विश्वास पैदा करने और सफलता के पथ की नींव डालने पर आधारित है। 53 वर्षों के बाद, यह पुरस्कार अंततः तमिलनाडु में खेलों के विकास में इंदिरा के विशेष

योगदान को याद दिलाया है। बी. इंदिरा को दिए गए सम्मान के पीछे की कहानी जुड़ी है विश्व प्रसिद्ध बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधु के संघर्षों और सफलताओं की घटनाओं से। बताया जा रहा है कि बैडमिंटन की दुनिया में सिंधु की उल्लेखनीय यात्रा उनके परिवार, कोच और साथियों से मिले समर्थन और विश्वास से भी गहराई से जुड़ी हुई है।अपने माता-पिता द्वारा पोषित खेल के प्रति उनके शुरुआती जुनून से लेकर उनके कठोर प्रशिक्षण और उसके बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर जीत तक, जिसमें 2019 में विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण और 2021 में ओलंपिक पदक शामिल हैं, सिंधु ने अपनी उपलब्धियों में इस अटूट विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका पर लगातार जोर दिया है। उनकी कहानी इस बात का एक शक्तिशाली प्रमाण है कि कैसे खुद से और दूसरों से विश्वास, एक एथलीट को उसके खेल के शिखर पर पहुंचा सकता है। बी. इंदिरा और पीवी सिंधु की समानांतर कहानियाँ, हालांकि अलग-अलग खेल विधाओं में हैं, एक केंद्रीय विषय पर मिलती हैं- उत्कृष्टता की खोज में विश्वास और समर्पण की अपरिहार्य भूमिका। इंदिरा की 'सर्वश्रेष्ठ कोच' के रूप में लंबे समय से प्रतीक्षित मान्यता उनके एथलीटों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जबकि सिंधु का प्रसिद्ध बैडमिंटन करियर वैश्विक सफलता प्राप्त करने में विश्वास की शक्ति को रेखांकित करता है।

आईपीएल 2025: गुजरात ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया, बनी प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 60वें मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 10 विकेट से मात दी। दिल्ली की ओर से मिले 200 रन के लक्ष्य को गुजरात ने 6 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। एक ओर जहां जीत के साथ गुजरात प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनीं। वहीं दिल्ली की हार ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भी प्लेऑफ का स्पॉट फिक्स कर दिया। अब सिर्फ चौथे स्थान के लिए मुंबई, दिल्ली और लखनऊ में होड़ रहेगी। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने 3 विकेट के नुकसान पर 199 रन का स्कोर खड़ा किया। केएल राहुल ने 65 गेंदों पर 112 रन की नाबाद पारी खेली। जबकि फाफ डु प्लेसिस ने 5 रन, अभिषेक पोरेल ने 30 रन और कप्तान अक्षर पटेल ने 25 रन बनाए।राहुल ने एक छोर संभालते हुए न सिर्फ अपना शतक जमाया बल्कि टीम के स्कोर को 199 रन तक पहुंचाया। राहुल ने अपनी पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े।गुजरात की ओर से अरशद खान, साई किशोर और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक सफलता मिली। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 ओवर में ही लक्ष्य का हासिल कर लिया। गुजरात के दोनों सलामी बल्लेबाज दिल्ली के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते रहे और 6 गेंद शेष रहते हुए 205 रन बना लिया। कप्तान शुभमन गिल ने 93 रन और साई सुदर्शन ने 108 रन की नाबाद पारी खेली।

ला लीगा 2024-25: एमबाप्पे-बेलिंगहैम ने रियल मैड्रिड को नौ खिलाड़ियों वाले सेविला पर 2-0 से जीत दिलाई

एजेंसी

नई दिल्ली। ला लीगा 2024-25 के अंतिम चरण में रियल मैड्रिड ने काइलियन एमबाप्पे और जूड बेलिंघम के दूसरे हाफ में किए गए गोलों की बदौलत सेविया को 2-0 से हराया। मुकाबले में सेविया की टीम को दो रेड कार्ड झेलने पड़े, जिससे वह नौ खिलाड़ियों के साथ मैच खत्म करने को मजबूर हुई।

मैच की शुरुआत में ही मिला पहला रेड कार्ड: मैच के शुरुआती 11वें मिनट में ही लोइक बाडे को एमबाप्पे को काउंटर-अटैक पर रोकने की कोशिश में रेड कार्ड दिखा दिया गया। यह साफ गोल स्कोरिंग मौका था, जिसे रेफरी ने गंभीरता से लिया और सेविया को शुरुआती झटका लगा। हालांकि रियल मैड्रिड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में एमबाप्पे और एंड्रिक गोल करने के आसान मौके भुना नहीं सके। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही सेविया को दूसरा झटका लगा, जब आइज़ैक रोमेरो ने ओरेलियन चुआमेनी पर खतरनाक टैकल किया और उन्हें भी सीधा रेड कार्ड दिखाया गया।

एमबाप्पे का धमाका और बेलिंघम की सील

70वें मिनट में एमबाप्पे का शॉट बार से टकराया, लेकिन 75वें मिनट में उन्होंने बॉक्स के बाहर से लो स्ट्राइक मारकर रियल के लिए खाता

खोला। इसके बाद 87वें मिनट में युवा फॉरवर्ड गोंजालो गार्सिया के क्रॉस पर जूड बेलिंघम ने नजदीक से गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

अंक तालिका की स्थिति

बार्सिलोना पहले ही खिताब अपने नाम कर चुका है और 85 अंकों के साथ टॉप पर है। रियल मैड्रिड 81 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 73 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। एथलेटिक बिलबाओ (70) और विलारियल (67) अंक के साथ टॉप-5 में हैं और ये सभी टीमें अगले सीजन यूईएफा चैंपियंस लीग में स्पेन का प्रतिनिधित्व करेंगी।

ला लीगा 2024-25: विलारियल ने बार्सिलोना के खिताबी जश्न को फीका किया

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेनिश लीग लालीगा 2025 में बार्सिलोना को अपने आखिरी घरेलू मुकाबले में रात विलारियल के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह 2025 में बार्सिलोना की पहली लीग हार है। हालांकि इस हार का खिताब पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि बार्सिलोना पहले ही मौजूदा सीजन का लालीगा खिताब जीत चुका है।मैच की शुरुआत में विलारियल ने बार्सिलोना के खिलाड़ियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जहां उन्होंने नए चैंपियन को सम्मानित किया। इसके बावजूद मैदान पर उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन कर जीत हासिल की। विलारियल की ओर से चौथे मिनट में आयोजे पेरेज़ ने शानदार ब्रेकअवे गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद लामीने यामाल ने एक और बेहतरीन गोल कर स्कोर बराबर किया। फर्मिन लोपेज ने हाफ टाइम से पहले बार्सिलोना को बढ़त दिला दी, लेकिन दूसरी छमाही में सैंटियागो कोमेसाना और ताजोन बुकानन के गोल ने विलारियल को जीत दिला दी।

15 मैचों के बाद हारी बार्सिलोना, विलारियल ने पक्का किया चैंपियंस लीग का टिकट: बार्सिलोना की यह हार 21

दिसंबर 2024 के बाद पहली है, जब उसे एटलेटिको मैड्रिड से 2-1 से हार मिली थी। इसके बाद क्लब ने 15 मैचों में 12 जीत और 2 ड्रॉ हासिल किए थे। वहीं, विलारियल की यह लगातार पांचवीं जीत रही, जिससे उन्होंने 2022 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग में वापसी पक्की कर ली है।

स्पेन से पांच टीमें खेलेंगी अगली बार चैंपियंस लीग

विलारियल अब बार्सिलोना, रियल मैड्रिड, एटलेटिको मैड्रिड और एथलेटिक बिलबाओ के साथ मिलकर चैंपियंस लीग 2025-26 में हिस्सा लेगा। यानी स्पेन से अगली बार यूरोप की सबसे बड़ी क्लब प्रतियोगिता में पांच टीमें भाग लेंगी।

अन्य यूरोपीय प्रतियोगिताओं की स्थिति

रियल बेटिस ने यूरोपा लीग का टिकट कन्फर्म कर लिया है। वहीं, सेल्टा वीगो, रायो वायेकेनो और ओसासुना के बीच बची हुई यूरोपा लीग और कॉन्फ्रेंस लीग की जगहों के लिए कड़ा मुकाबला जारी है।

खेलो इंडिया बीच गेम्स की शुरुआत दीव में, 1000 से अधिक एथलीट लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। 12 दिनों तक पटना में आयोजित यूथ गेम्स के सफल समापन के बाद अब खेलो इंडिया का कारवां दीव पहुंच चुका है, जहां घोघला बीच पर पहली बार खेलो इंडिया बीच गेम्स की शुरुआत होने जा रही है। इस ऐतिहासिक आयोजन में देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 1000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

छह खेलों में मिलेंगे मेडल, दो प्रदर्शनी खेल भी शामिल

बीच गेम्स में छह प्रतिस्पर्धात्मक खेलों में मेडल दांव पर होंगे–बीच सॉकर, बीच वॉलीबॉल, सेपक टकरा, बीच कबड्डी, पेंचक सिलाट और ओपन वॉटर स्वीमिंग। इसके अलावा टग ऑफ वॉर और मल्लखंब को प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल किया गया है।

दीव में लगातार दूसरी बार आयोजन, इस बार खेलो इंडिया के तहत

यह पहली बार है जब बीच गेम्स का आयोजन खेलो इंडिया पहल के तहत किया जा रहा है। पिछले वर्ष दीव प्रशासन द्वारा आयोजित गेम्स में मध्य प्रदेश विजेता बनकर उभरा था। इस बार आयोजन की भव्यता और भी बढ़ गई है क्योंकि यह अब केंद्र सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम का हिस्सा है।

केंद्रीय खेल मंत्री करेंगे उद्घाटन, नामी खिलाड़ी भी होंगे मौजूद

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव और लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल भी समारोह में भाग लेंगे। देश के जाने-माने खिलाड़ी भी इस समारोह की शोभा बढ़ाएंगे, जिनमें कबड्डी स्टार साक्षी पुनिया, हॉकी के जोगिंदर सिंह, बैडमिंटन की तृप्ति मुरगुंडे, टेबल टेनिस की ममता प्रभु और वेटलिफ्टर रवि कुमार कटुलु शामिल हैं। खिलाड़ियों और दर्शकों के मनोरंजन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। इनमें गुजरात का गरबा, उत्तर भारत का भांगड़ा, दक्षिण भारत का कथकली और पूर्वोत्तर का बिहू शामिल हैं। इसके अलावा, लोकप्रिय गुजराती गायिका गीता बेन रबारी भी अपने गीतों से श्रोताओं का मन मोहेंगी।

इस आयोजन की खास बात है 'पर्ल्स' - डॉल्फिन पर आधारित मैस्कॉट, जो सर्फबोर्ड के साथ खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाता नजर आएगा। उम्मीद की जा रही है कि खेलो इंडिया के अंतर्गत हो रहे इन बीच गेम्स से इस श्रेणी के खेलों को नई पहचान और बढ़ावा मिलेगा।

मेघालय में अंतर-जिला स्थानांतरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 24 मई तक, राज्य फुटबॉल संघ ने की घोषणा

एजेंसी

शिलांग। मेघालय फुटबॉल एसोसिएशन ने राज्य में फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए अंतर-जिला स्थानांतरण 2025 की समय सीमा 24 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। एक बयान में, मेघालय फुटबॉल एसोसिएशन (एमएफए) के अध्यक्ष हैमिल्टनसन डोहलिंग और महासचिव सुनेश सीएम ने कहा कि एमएफए ने खिलाड़ियों के स्थानांतरण को पूरा करने के लिए पूर्ण स्थानांतरण फॉर्म जमा करने और रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने की अंतिम तिथि 17 मई तय की थी। लेकिन, एमएफए अधिकारियों ने खिलाड़ियों और क्लबों की सुविधा के लिए समय सीमा को एक सप्ताह बढ़ाने का निर्णय लिया है। बयान में कहा गया है कि गुलाबी रंग के फॉर्म संबंधित खिलाड़ी की तस्वीर के साथ एमएफए कार्यालय में जमा किए जाने चाहिए, सफेद फॉर्म जिला संघ द्वारा रखे जाएंगे और पीले फॉर्म क्लब द्वारा रखे जाएंगे। बयान में कहा गया है कि संबंधित खिलाड़ी की फोटो के बिना कोई भी फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा। बताया कि स्थानांतरण को पूरा करने के लिए खिलाड़ियों को एमएफए कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से रजिस्टर पर हस्ताक्षर करना होगा और उस समय एक हजार रुपये का स्थानांतरण शुल्क जमा करना होगा। यह प्रक्रिया 24 मई तक छोड़कर सभी कार्य दिवसों पर दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगी।

ज़िम्बाब्वे की टेस्ट तैयारी को झटका, काउंटी एक्सआई के खिलाफ मिली 138 रन से हार

एजेंसी

लेस्टर। इंग्लैंड के खिलाफ अगले हफ्ते होने वाले एकमात्र टेस्ट से पहले ज़िम्बाब्वे को अभ्यास मैच में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। लेस्टर में खेले गए चार दिवसीय मुकाबले में प्रोफेशनल काउंटी क्लब सिलेक्ट इलेवन (पीसीसी) ने ज़िम्बाब्वे को 138 रन से हरा दिया।

आखिरी दिन लड़खड़ाई ज़िम्बाब्वे की बल्लेबाजी

464/7 के स्कोर पर दूसरी पारी घोषित करने के बाद पीसीसी इलेवन ने ज़िम्बाब्वे को जीत के लिए 392 रन का लक्ष्य दिया। पीसीसी इलेवन ने पहली पारी में 330 रन बनाए थे। हालांकि, ज़िम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और लंच के बाद स्कोर 51/4 हो गया। हैम्पशायर के एडी जैक ने ज़िम्बाब्वे की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ी को तहस-नहस कर दिया। ज़िम्बाब्वे ने अपनी पहली पारी में मधेवेरे (93), विलियम्स

(76), सीगा (66), बेनेट (65) के अर्धशतकों की बदौलत 403 रन बनाए थे।

वेल्श और त्सीगा की जुझारू पारियां

निक वेल्श (87) ने काउंटर अटैक करते हुए पहले वेस्ली मधेवेरे (47 रन की साझेदारी) और फिर तफादज़वा त्सीगा (70 रन की साझेदारी) के साथ पारी को संभालने की कोशिश की। मधेवेरे ने पहली पारी में 93 रन बनाए थे। हालांकि वेल्श शतक के करीब जाकर आउट हो गए और इसके बाद ज़िम्बाब्वे की पारी फिर बिखर गई। ज़िम्बाब्वे की टीम दूसरी पारी में 253 रनों पर सिमट गई।

स्पिनरों ने किए अंतिम झटके

शाम के सत्र में एसेक्स के ऑलराउंडर जमाल रिचर्ड्स ने दो विकेट झटके जबकि स्पिनर डैन मौसली और जाफर चोहन ने आखिरी तीन विकेट लेकर ज़िम्बाब्वे को ऑलआउट कर दिया। त्सीगा ने इस मैच में लगातार दूसरी फिफ्टी लगाई, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। दूसरी पारी में डैन मौसली ने शानदार 154 रन बनाए और कप्तान जोश डी काइरेस (84 रन) के साथ 179 रन की साझेदारी की। थॉमस रू भी शतक बनाने में कामयाब रहे। दूसरी पारी में पीसीसी इलेवन ने 7 विकेट पर 464 रन बनाकर पारी घोषित कर दी।पहली पारी में डी काइरेस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी चुनी थी और 79 रन बनाए थे। पीसीसी इलेवन ने पहली पारी में 330 रन बनाए। काइरेस के अलावा मॉर्गन (66) और चोहान (56) ने अर्धशतकीय पारी खेली।

ज़िम्बाब्वे की पहली पारी में वेस्ली मधेवेरे ने 93 रन की लाजवाब पारी खेली थी। वहीं ओपनर ब्रायन बेनेट और अनुभवी सीन विलियम्स ने अर्धशतक जड़े। गेंदबाज़ी में लेफ्ट आर्मर न्यूमैन न्यामहुरी ने पांच विकेट लिए।

सुदर्शन-शुभमन की 4 सालों में ही 7वीं शतकीय साझेदारी, कोहली का रिकॉर्ड खतरे में

मुंबई । गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने आईपीएल 2025 में एक और कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 60वें मैच में दोनों ने सातवीं शतकीय साझेदारी की। इसी के साथ उन्होंने धवन-वार्नर का खास रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब विराट कोहली और एबी डीविलियर्स का रिकॉर्ड खतरे में आ गया है। दोनों प्लेयरों ने आरसीबी के लिए करीब 10 साल खेलते हुए 10 शतकीय साझेदारियों की थी लेकिन सुदर्शन और शुभमन की जोड़ी केवल चार सालों में ही इस रिकॉर्ड के पास पहुंच गई।

कार्लोस अल्कराज ने सिनर को हराकर इटालियन ओपन खिताब जीता

एजेंसी

रोम। युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने इटालियन ओपन के फाइनल में जैनिक सिनर को सीधे सेटों में 7-6 (7/5), 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही अल्कराज ने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) के लिए बाकी खिलाड़ियों को कड़ा संदेश दे दिया है, जहां वह अपने खिताब की रक्षा करने उतरेंगे।

अल्कराज की इस सीजन में तीसरी खिताबी जीत

22 वर्षीय अल्कराज का यह सीजन में तीसरा खिताब है। यह उनका इस साल का चौथा फाइनल था और रोम मास्टर्स खिताब उनके खाते में दूसरा एटीपी 1000 खिताब बन गया है। इससे पहले वह मोंटे कार्लो में भी विजेता बने थे और बार्सिलोना में उपविजेता रहे थे।

सिनर की जीत की लय तोड़ी

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने जैनिक सिनर की 26 मैचों की

जीत की लय अल्कराज ने ही तोड़ी। गौर करने वाली बात यह है कि इस साल किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में सिनर को हराने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी अल्कराज ही हैं। इससे पहले भी उन्होंने पिछले साल चीन ओपन के फाइनल में सिनर को हराया था।

चोट के बावजूद शानदार प्रदर्शन

अल्कराज को इस सीजन में मांसपेशियों में खिंचाव के चलते मैड्रिड ओपन में भाग लेने का मौका नहीं मिला, लेकिन फिर भी उन्होंने क्ले कोर्ट सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। रोलां गैरो से पहले यह फॉर्म उन्हें खिताब के बड़े दावेदारों में शामिल करता है।

सिनर के लिए भी सकारात्मक संकेत

हालांकि फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन यह टूर्नामेंट सिनर के लिए भी काफी अहम रहा। यह उनकी तीन महीने की डोपिंग प्रतिबंध के बाद पहली वापसी थी। उन्हें पिछले साल मार्च में दो बार क्लोस्टेबोल के लिए पॉजिटिव पाया गया था, जिसे डोपिंग एजेंसियों ने 'दुर्घटनावश' माना था।

डॉ मांडविया ने लॉन्च किया खेलो इंडिया वार्षिक कैलेंडर, ओलंपिक 2036 और राष्ट्रमंडल खेल 2030 की तैयारियों को नई दिशा

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने खेलो इंडिया पहल के तहत एक व्यापक वार्षिक कैलेंडर लॉन्च किया है। देश में जमीनी स्तर पर खेलों के विकास और प्रतिभा खोज के उद्देश्य से इसे तैयार किया गया है। यह कैलेंडर न केवल प्रतिस्पर्धी खेल संरचना को सुदृढ़ करता है, बल्कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक की तैयारियों को भी दिशा देगा। डॉ मांडविया ने कहा, 'खेलो इंडिया केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में रणनीतिक पहल है। यह कैलेंडर युवा एथलीटों को साल भर प्रतिस्पर्धा का मंच देगा और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी में सहायता करेगा।'

विविध क्षेत्रों और संस्कृतियों को मिलेगा मंच:

नई योजना के तहत कई नए प्रारूपों को शामिल किया गया है, जैसे:

खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी)- 19 से 25 मई, 2025 को दीव में आयोजन, तटीय खेलों को मिलेगा प्रोत्साहन। खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी)- अगस्त से दिसंबर तक, जिला से राष्ट्रीय स्तर तक एथलीटों की पहचान।

खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स और नॉर्थ-ईस्ट गेम्स- मई-जून में।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स- सितंबर में छत्तीसगढ़ में, आदिवासी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच।

खेलो इंडिया स्वदेशी और मार्शल आर्ट गेम्स- जुलाई-अगस्त में तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में, पारंपरिक खेलों को मिलेगा प्रोत्साहन।

इनके साथ-साथ खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, यूथ गेम्स, पैरा गेम्स और विंटर गेम्स जैसे पहले से स्थापित प्रारूपों को भी नए उत्साह और विस्तार के साथ जारी रखा जाएगा।

खेल से बढ़ेगा पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था

मंत्रालय ने इस वार्षिक कैलेंडर को इस तरह तैयार किया है कि इससे स्थानीय खेल अवसंरचना, खेल पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिले। प्रत्येक आयोजन के लिए मेजबान राज्यों की स्पष्ट परिभाषा तय की गई है, ताकि क्षमता निर्माण और भविष्य की मेज़बानी के लिए तैयारी सुनिश्चित हो सके।

डॉ मांडविया ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में भारतीय खेलों में ऐतिहासिक बदलाव आया है। अब हम उसे एक संगठित, समावेशी और वर्ष-भर चलने वाले खेल आंदोलन में बदल रहे हैं।

खेलो इंडिया की अब तक की उपलब्धियां

मौजूदा वर्ष में तीन बड़े खेल आयोजन पहले ही संपन्न हो चुके हैं, जो खेलो इंडिया विंटर गेम्स (जम्मू और कश्मीर व गुलमर्ग में), खेलो इंडिया पैरा गेम्स (दिल्ली में) और खेलो इंडिया यूथ गेम्स (बिहार में) हैं। इन तीनों आयोजनों में देश भर से काफी संख्या में भागीदारी देखी गई, जिससे खेलो इंडिया की समावेशी पहुंच और प्रभावशाली कार्यान्वयन सिद्ध हुआ।

श्रद्धा कपूर

ने छोड़ी ये बड़ी फिल्म! 17 FLOP देने वाले एक्टर की बहन से इस चक्कर में हो गया पंगा!

श्रद्धा कपूर अपनी अपकमिंग फिल्मों को काफी सोच समझकर चुन रही हैं. STREE 2 ने बॉक्स ऑफिस पर खूब गर्दा उड़ाया था, जिसके बाद से ही एक्ट्रेस फुल ऑन डिमांड में हैं. कई प्रोजेक्ट्स इस वक्त उनके खाते में भी हैं. इसी बीच पता लगा कि उन्होंने एक बड़ी फिल्म से एग्जिट कर लिया है. 17 फ्लॉप देने वाले एक्टर की बहन के साथ ही उन्हें काम करना था. लेकिन आखिरी वक्त पर फीस को लेकर मामला गड़बड़ हो गया और उनके बाहर होने की खबरें आ रही हैं. श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' ने दुनियाभर से 800 करोड़ का कारोबार किया है. जल्द ही वो नागिन भी बनने वाली हैं. एक फिल्म के लिए उनकी बात पक्की हो गई है. दरअसल कुछ वक्त पहले खबर आई थी, श्रद्धा कपूर तुम्बाड के डायरेक्टर और एकता कपूर की हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर के लिए काम करने वाली हैं. पर अब पीपिंगमून की खबर से पता लगा कि उन्होंने पिक्चर से एग्जिट कर लिया है.

श्रद्धा कपूर ने कौन सी फिल्म छोड़ी ?

नई रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा कपूर और एकता कपूर के बीच फाइनेंशियल टर्म्स के चलते बात नहीं बन पाई है. दरअसल स्त्री 2 की सफलता से खुश श्रद्धा कपूर 17 करोड़ फीस मांग रही थीं. साथ ही फिल्म के प्रॉफिट शेयरिंग में हिस्सा मांगने की खबरें हैं. एकता कपूर के मुताबिक, यह फीस बहुत ज्यादा है. वहीं, उनकी फिल्म के लिए यह फाइनेंशियल तौर पर मुश्किल है.

दरअसल श्रद्धा कपूर की फीस बॉलीवुड एक्ट्रेस के तौर पर काफी ज्यादा थी. जिसके चलते फिल्म का पूरा बजट बढ़ जाता. अब खबर आ रही है कि फिल्म में काम करने से श्रद्धा कपूर ने मना कर दिया है. हालांकि, एक्ट्रेस के एग्जिट होने के बाद लीड रोल के लिए दूसरी एक्ट्रेस पर चर्चा चल रही है. इसी बीच यह भी पता लगा है श्रद्धा कपूर अपनी अगली फिल्मों पर लगातार विचार कर रही हैं. इस वक्त दिनेश विजन, बोनी कपूर और भूषण कुमार के साथ किसी फिल्म पर बात चल रही है.

17 फ्लॉप देने वाले एक्टर की बहन कौन ?

दरअसल तुषार कपूर की बहन एकता कपूर टीवी की दुनिया की क्वीन कही जाती हैं. कई फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुकी हैं अब भी काफी खाते में हैं. वहीं, तुषार कपूर भी कई फिल्मों में काम कर चुके हैं. वहीं 17 से ज्यादा फ्लॉप फिल्में उन्होंने अपने करियर में दी हैं. हालांकि, एकता कपूर अब अपनी अगली फिल्म पर फोकस करेंगी.

जब मां के लिए ट्विंकल खन्ना ने ठुकरा दी इस सुपरस्टार की फिल्म, इस बात का सता रहा था डर

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने 34 साल के करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है. अक्षय का करियर काफी सफल रहा. हालांकि उनकी तरह उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना बड़ी स्टार नहीं बन पाईं. राजेश खन्ना और डिंपल कपाड़िया जैसे स्टार्स की बेटी होने के बावजूद भी ट्विंकल की किस्मत का सितारा नहीं चमक पाया. उन्होंने एक दर्जन से ज्यादा फिल्मों में काम किया और जल्द ही बड़े पर्दे से दूरी बना ली थी.ट्विंकल खन्ना ने साल 1995 में आई फिल्म 'बरसात' से डेब्यू किया था. हालांकि वो अपने दौर की मशहूर एक्ट्रेस की तरह कामयाब नहीं हो सकी. इस दौरान उन्होंने सुपरस्टार अनिल कपूर के साथ फिल्म करने से भी इनकार कर दिया था. इसके पीछे की वजह उनकी मां डिंपल कपाडिया थीं. दरअसल डिंपल, पहले ही अनिल कपूर के साथ फिल्म में काम कर चुकी थीं. मां के हीरो के साथ ट्विंकल ने फिल्म करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई. वहीं उन्हें एक बात का डर भी सता रहा था.

ट्विंकल ने रिजेक्ट की अनिल कपूर की ये फिल्म

ट्विंकल का फिल्मी करियर काफी छोटा रहा. फिल्मों में फ्लॉप रही एक्ट्रेस ने बाद में बतौर राइटर और प्रोड्यूसर काम किया. ट्विंकल अनिल कपूर की फिल्म 'घरवाली बाहरवाली' को रिजेक्ट कर चुकी हैं. 1998 में रिलीज हुई इस पिक्चर में अनिल कपूर के साथ रवीना टंडन और रंभा ने काम किया था. लेकिन ट्विंकल ने मां के चलते फिल्म ठुकरा दी थी.

ट्विंकल को सता रहा था इस बात का डर

ट्विनल खन्ना को 'घरवाली बाहरवाली' में रंभा वाला किरदार ऑफर किया गया था. हालांकि वो कन्फ्यूज्ड थीं. उन्हें इस बात का डर सता रहा था कि अनिल कपूर के साथ उनकी जोड़ी अजीब लग सकती है. जबकि पहले से ही अनिल और उनकी मां डिंपल साथ में काम कर चुके थे. ऐसे में ट्विंकल ने पिक्चर से हाथ पीछे खींचने में ही भलाई समझी.

इस फिल्म में साथ नजर आए थे अनिल-डिंपल

अनिल कपूर, ट्विंकल की मां डिंपल की उम्र के हैं. ट्विंकल जब काफी छोटी थीं, तब ही अनिल और डिंपल ने साथ में स्क्रीन शेयर कर ली थी. साल 1986 में आई डायरेक्टर और एक्टर फिरोज खान की फिल्म 'जांबाज' में दोनों कलाकारों को साथ देखा गया था. इसका हिस्सा खुद फिरोज खान, श्रीदेवी, अमरीश पुरी, जगदीप, कुलभूषण खरबंदा और रजा मुराद जैसे कलाकार भी थे.

खाने में अंडा तो नहीं? शाहिद कपूर के प्यार में पागल करीना हर जगह पूछा करती थीं ये सवाल

करीना कपूर खान और शाहिद कपूर का अफेयर एक समय हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काफी सुर्खियों में रहा था. दोनों ने अपने करियर के शुरुआती दौर में एक दूसरे का हाथ थामा था और तीन से चार साल तक एक दूसरे को डेट किया. इस दौरान शाहिद कपूर के प्यार में करीना कपूर ने खुद को काफी हद तक बदल लिया था. शाहिद के लिए करीना ने अपने खान पान में बड़ा बदलाव किया था.शाहिद कपूर और करीना कपूर खान के रिश्ते की शुरुआत साल 2004 में में हुई थी. हालांकि साल 2007 तक इस रिश्ते का अंत हो गया था. इसके बाद दोनों अपनी-अपनी लाइफ में आगे बढ़ गए थे. हालांकि जब करीना, शाहिद संग रिश्ते में थीं तब वो नॉन वेज छोड़कर वेजिटेरियन बन गई थीं. वहीं करीना ने ही शाहिद कपूर को आगे रहकर प्रपोज भी किया था.

करीना ने किया था शाहिद को प्रपोज

शाहिद कपूर को आगे रहकर प्रपोज करने का खुलासा खुद करीना कर चुकी हैं. उन्होंने डायरेक्टर-प्रोड्यूसर करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' के चौथे सीजन के दौरान बताया था कि पहले उन्होंने शाहिद को प्रपोज किया था. हालांकि शुरुआत में शाहिद ने करीना में इंट्रेस्ट नहीं दिखाया था, लेकिन बाद में वो भी करीना पर फिदा हो गए थे.

जब शाहिद के प्यार में शाकाहारी बन गई करीना

करीना, करण के शो के छठे सीजन में भी शामिल हुई थीं. तब करण ने बताया था कि शाहिद के लिए करीना ने न सिर्फ नॉन वेज छोड़ा था बल्कि वो आध्यात्मिक भी हो गई थीं. करण ने एक्ट्रेस से कहा था, जब तुम शाहिद के साथ थीं, तो तुम शाकाहारी थीं. तुम पूछती रहती थीं कि खाने में अंडा तो नहीं है ? तुम थोड़ी आध्यात्मिक भी हो गई थीं और तुम्हारा वजन बढ़ गया था. तुम बस एक स्वस्थ शाकाहारी बनकर खुश थीं.

करीना ने सैफ, शाहिद ने मीरा से की शादी

ब्रेकअप के बाद करीना की नजदीकियां तलाकशुदा सैफ अली खान से बढ़ीं. दोनों ने करीब पांच साल की डेटिंग के बाद साल 2012 में शादी रचा ली थी. अब दोनों दो बेटों के पैरेंट्स हैं. वहीं शाहिद ने साल 2015 में मीरा राजपूत संग सात फेरे लिए थे. दोनों की एक बेटी और एक बेटा है.

रवीना टंडन

की बेटी राशा ने 'टिप टिप बरसा पानी' पर लगाए ठुमके, डांस मूव्स देख लोग बोले- उफ्फ ये लड़की

90 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस Raveena Tandon ने कई हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं. लेकिन उनकी बेटी राशा को लेकर एक ख्वाहिश अधूरी रह गई. इसी साल राशा थडानी का डेब्यू हुआ है. अजय देवगन की फिल्म 'आजाद' में वो दिखाई दीं, पर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट गई. लेकिन फिर भी राशा चर्चा में रहीं. उसकी वजह है उनका डांस 'ऊई अम्मा'. उनके डांस मूव्स देखकर हर किसी ने तारीफ की है. अब वो मम्मी के गाने पर थिरकती नजर आ रही हैं.दरअसल जी सिने अवॉर्ड्स 2025 में कई एक्टर्स ने जलवा बिखेरा. इस दौरान राशा थडानी भी पहंची थीं. जहां उन्होंने अपनी मम्मी के गाने 'टिप-टिप बरसा पानी' पर परफॉर्म किया. साथ ही माधुरी दीक्षित के पॉपुलर गाने में भी वो जबरदस्त डांस करती नजर आई हैं. यह वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है, जिसे खुद राशा ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर री-शेयर किया है.

मम्मी के गाने पर थिरकीं राशा थडानी

राशा थडानी ने Zee Cine Awards 2025 में स्पेशल परफॉर्मेंस दी. सबसे पहले वो यलो ड्रेस में रवीना टंडन के गाने 'टिप-टिप बरसा पानी' पर डांस करती दिखीं. उनके डांस वीडियो पर लोग प्यार बरसा रहे है. लोग लिखते हैं कि- ये दूसरे स्टार किड्स से अलग हैं. तो कुछ ने लिखा कि- ये लड़की कुछ बड़ा करेगी. साथ ही एक, दो, तीन गाने पर भी जबरदस्त डांस किया है. आखिर में एक्ट्रेस ने अपने गाने ऊई अम्मा पर भी ठुमके लगाए.

साल 1994 में रवीना टंडन और अक्षय कुमार की फिल्म 'मोहरा' आई थी. फिल्म में रवीना टंडन ने रोमा सिंह का किरदार निभाया था. फिल्म में अक्षय कुमार और रवीना टंडन की केमिस्ट्री काफी पसंद की गई थी. पिक्चर में दोनों के बीच कई रोमांटिक सीन्स भी देखने को मिले थे. वहीं, यह उसी फिल्म का गाना है. हालांकि, राशा के परफॉर्मेंस को देखकर हर कोई रवीना टंडन की तारीफ कर रहा है.

राशा की है तगड़ी फैन फॉलोइंग

राशा थडानी की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है. उन्हें 3 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. 20 साल की उम्र में ही उन्होंने डेब्यू कर लिया है. वहीं अब ऐसी चर्चा है कि जल्द एक फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ दिखाई देंगी. बीते दिनों हुए अवॉर्ड फंक्शन में मम्मी की साड़ी पहनकर पहुंची थीं.

संघर्ष में पाक की ओर से नहीं मिले 'परमाणु संकेत'

सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्णय पूरी तरह से द्विपक्षीय था

नई दिल्ली/एजेंसी

विदेश मामलों से जुड़ी संसद की स्थायी समिति के समक्ष सोमवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव पारंपरिक दायरे में ही रहा और पाकिस्तान की ओर से कोई परमाणु संकेत (न्यूक्लियर सिग्नलिंग) नहीं दिया गया। सूत्रों के अनुसार, मिस्री ने समिति को बताया कि सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्णय पूरी तरह से द्विपक्षीय था और इसमें किसी तीसरे पक्ष की भूमिका नहीं थी। उनका यह जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के संदर्भ में भी था। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने की। इसमें रविशंकर प्रसाद, अभिषेक बनर्जी, राजीव शुक्ला, दीपेन्द्र हुड्डा, असदुद्दीन ओवैसी, अपराजिता सारंगी और अरुण गोविल सहित अन्य शामिल हुए। यह बैठक पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में किए गए ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारत-पाक के बीच बढ़े तनाव के संदर्भ में बुलाई गई थी।

बैठक में सदस्यों ने विदेश सचिव से कई सवाल किए। साथ ही भारत को हुए नुकसान पर भी सवाल हुए। हालांकि विदेश सचिव ने कुछ प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के कथन पर उठे सवालों पर मिस्री ने समिति को बताया कि जयशंकर के बयान को गलत अर्थ में नहीं देखना चाहिए।

कुछ सदस्यों ने यह भी पूछा कि क्या पाकिस्तान ने संघर्ष के दौरान चीनी सैन्य प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया। इस पर विदेश सचिव ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान के एयरबेस को कुशलता से निशाना बनाया।

बैठक के दौरान समिति के सभी सदस्यों ने सोशल मीडिया पर मिस्री की आलोचना पर एकमत होकर विरोध जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की निंदा करते हुए विदेश सचिव की पेशेवर कार्यशैली की सराहना की। उल्लेखनीय है कि 6 मई की रात को शुरू होने के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान ने सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकने का आपसी समझौता किया था।

अमेरिका की ओर से युद्धविराम की घोषणा गलत : सचिन पायलट

बिलासपुर/एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका की ओर से युद्धविराम की घोषणा पहली बार हुआ है। दो पक्षीय मामले में पंचायती क्यों? सिर्फ आश्वासन के भरोसे निर्णय सही नहीं है, इससे क्या देश का व्यापार बढ़ेगा? जांजगीर में संविधान बचाओ रैली से पहले सोमवार को बिलासपुर में पत्रकारवार्ता में सचिन पायलट ने कहा कि भारत 140 करोड़ की आबादी वाला देश है। डॉलर या दबाव के लिए राष्ट्रीय हित से समझौता स्वीकार नहीं होनी चाहिए। सर्वोच्च पद से कश्मीर पर स्पष्ट संदेश जरूरी है। कश्मीर मुद्दा नहीं, राष्ट्रीय सम्मान का विषय है। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संसद को एक सुर में बोलना चाहिए। आतंकवाद ने कांग्रेस से इंदिरा और राजीव गांधी को छीना, कांग्रेस पार्टी लगातार आतंकवादी से संघर्ष करती आई है। आतंकवाद को जड़ से खत्म करना जरूरी है, लेकिन कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं बनने देंगे। सचिन पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार अब दो बैसाखियों के सहारे है। 2024 में 400 पार का सपना 240 पर आकर अटक गए। न जनादेश स्पष्ट, न सरकार स्थिर, केंद्रीय एजेंसियों का राजनीतिक उपयोग हो रहा है। संवैधानिक संस्थाएं दबाव में है, इसके चलते लोकतंत्र खतरे में है। कांग्रेस पूरे देश में संविधान बचाओ रैली चला रही है। केंद्र सरकार ने जो माहौल देश में बनाया है उसके विरोध में हमारी पार्टी अपने विचार को लेकर लोगों के बीच जाएगी। पायलट ने कहा कि जनता को जगाना अब जरूरी है। कांग्रेस को मजबूत कर विपक्ष को एकजुट करेंगे।

'किसानों का पेट काटकर नेहरू ने दिया पाक को पानी'

नई दिल्ली/एजेंसी

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह ने सिंधु जल संधि को तत्कालीन केंद्र सरकार की ऐतिहासिक गलती बताया और कहा कि जल विशेषज्ञों के विरोध के बावजूद जवाहर लाल नेहरू ने किसानों का पेट काटकर पाकिस्तान को पानी दे दिया था, जिसे पीएम नरेन्द्र मोदी ने खत्म कर दिया।

सिंधु जल संधि को "स्थगन" में रखने के केंद्र के फैसले को लेकर कृषि मंत्री ने सोमवार को किसानों से संवाद का आयोजन किया था। इसमें उन राज्यों के किसानों को आमंत्रित किया गया था, जिन्हें इस संधि के निरस्त होने पर लाभ मिल सकता है। संवाद में हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल एवं राजस्थान से आए विभिन्न किसान संगठनों ने सरकार को समर्थन दिया। संयुक्त किसान मोर्चा एवं भारतीय किसान यूनियन ने केंद्र के इस निर्णय को ऐतिहासिक करार दिया। 1960 में भारत-पाकिस्तान में हुई इस संधि को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद स्थगित कर दिया गया है।

उपराष्ट्रपति बोले- प्रोटोकॉल के उल्लंघन का मैं भी भुक्तभोगी

नई दिल्ली/एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर खुलकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी इस लापरवाही के शिकार रहे हैं। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश द्वारा हाल में प्रोटोकॉल को लेकर दिए गए बयान का समर्थन करते हुए कहा कि देश में प्रोटोकॉल का पालन आवश्यक है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह बयान द कॉन्स्टिट्यूशन वी अडॉप्टेड (विद आर्टवर्क्स) पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में दिया। इस पुस्तक का संपादन विजय हंसारिया ने किया है। कार्यक्रम भारत मंडपम में आयोजित हुआ था, जिसमें न्यायपालिका, विधायिका और कानूनी क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने कहा, आज सुबह मुझे याद दिलाया गया कि प्रोटोकॉल केवल व्यक्ति नहीं बल्कि उस पद की गरिमा का सवाल है। हमें उसमें विश्वास

रखना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने यह बात देश के लिए कही थी और मैं उनका आभारी हूं कि उन्होंने इस दिशा में ध्यान खींचा।उन्होंने व्यथा जाहिर करते हुए कहा, आपने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की तस्वीरें देखी होंगी, लेकिन उपराष्ट्रपति की नहीं। मैं जब इस पद से हटूंगा, तो अपने उत्तराधिकारी के लिए यह सुनिश्चित करूंगा कि उनकी तस्वीर वहां हो।धनखड़ ने सिविल सेवकों की उदासीनता पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि कई बार नियमों की अनदेखी जानबूझकर होती है, जो गलत परंपरा की शुरूआत करती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल उनके सम्मान की बात नहीं है, बल्कि पद की गरिमा से जुड़ा मसला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में ऐसे मामलों में सतर्कता बरती जाएगी। उन्होंने अंत में दोहराया कि लोकतंत्र में हर पद का सम्मान जरूरी है। प्रोटोकॉल न केवल औपचारिकता है बल्कि यह संस्थागत संतुलन और मयार्दा का प्रतीक है।

गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति से पूछताछ लगातार जारी

हिसार/एजेंसी

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा से पूछताछ लगातार जारी है। ज्योति ने पूछताछ में कई राज भी खोले हैं। ज्योति ने पूछताछ में कई चौंकाने वाली जानकारी भी दी हैं। पहलगाम हमले से भी कनेक्शन सामने आ रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के दौरान ज्योति पीआईओ के संपर्क में थी। पुलिस उसके कई और मोबाइल फोन का पता लगाने का प्रयास कर रही है। यह भी पता चला है कि कुछ और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर ज्योति से संपर्क में थे। उनके भी पीआईओ के संपर्क में होने के इनपुट है। उनका पाकिस्तान में होने वाले सामाजिक व हाई प्रोफाइल

कार्यक्रमों में भी जाना होता था। ज्योति ने जनवरी में पहलगाम का टूर भी किया था। इस दौरान कश्मीर की हर मुख्य जगह की वीडियो है। पहलगाम आतंकी हमले पर ज्योति ने कहा था कि इसके लिए हम खुद भी जिम्मेदार हैं। हमें निगरानी रखनी चाहिए। आतंकियों को सपोर्ट करने वालों को क्या कहूं। आतंकियों का साथ देने वाला भारतीय नहीं है। हमले के लिए सरकार भी जिम्मेदार है। ज्योति ने थार में जाकर बॉर्डर के बेहद करीब के वीडियो भी बनाए हैं।

बुजुर्गों की सहायता के लिए अन्नदी देवी फाऊँडेशन लगाया शिविर

दिव्य दिल्ली

अन्नदी देवी फाऊँडेशन की चेयरपर्सन दामनि चणडेला की ओर से पश्चिमी दिल्ली के नामधारी कॉलोनी रमेश नगर में बुजुर्ग लोगो के लिए जरूरी निशुल्क उपकरण पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, प्रमुख समाजसेवी हर्ष बन्धु भागी को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दामनि चणडेला ने बताया जरूरतमंद बुजुर्गों को कान की

मशीन, सर्वाइकल बेल्ट, गर्दन के दर्द की बेल्ट, व्हीलचेयर, चलने मे मदद देने वाला वॉकर, टॉयलेट शीट, विभिन्न प्रकार की छडी के लिए सैकड़ो बुजुर्गों में पंजीकरण कराया। जिसे जल्दी उनका वितरण किया जाएगा।इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा यह बड़ा सराहनीय कार्य है क्योंकि बुजुर्गों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिससे वह आए दिन परेशान रहते हैं। अन्नदी देवी फाऊँडेशन की चेयरपर्सन दामनि चणडेला हमेशा ऐसे कार्य करती रहती है।परमजीत सिंह पम्मा ने व हर्ष बन्धु भागी कहा बुजुर्गों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है इसलिए इसको सभी को मिलजुल कर करना चाहिए।इस अवसर पर दविंदर सिंह, बिंदिया मल्होत्रा,गोरव जैन, सुरिंदर पाल बिट्टू, सोनू घई, दिव्या गोसाईं सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित।

सड़क सुरक्षा जागरूकता समर कैंप 2025 का शुभारंभ

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता समर कैंप 2025 का शुभारंभ सोमवार को पंजाबी बाग स्थित ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क में विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) अजय चौधरी ने किया। इस अवसर पर उपायुक्त पुलिस (यातायातझआरएससी) एसके सिंह, एसीपी ट्रैफिक रवींद्र पंडित और ट्रैफिक इंस्पेक्टर मंजू सिंह भी उपस्थित रहे।

मप्र: शहडोल में जंगल में पत्ती तोड़ने गए तीन ग्रामीणों को हाथियों ने कुचला

शहडोल/एजेंसी

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के सनौसी और डोडा जंगल में सोमवार को पत्ती तोड़ने गए तीन ग्रामीणों को जंगली हाथियों ने कुचलकर मार डाला। हादसे के बाद वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। घटना को लेकर क्षेत्र में दशहत का माहौल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाथियों के हमले में तीन ग्रामीणों की मृत्यु पर गहन दुख व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने मृतकों के वैध वारिसों को 25-25 लाख रुपये सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सनौसी गांव के उमेश कोल अपनी पत्नी के साथ जंगल में पत्तियां तोड़ने गया था। उसी समय बांधवगढ़ की तरफ से दो जंगली हाथी वहां पहुंच गए। उमेश अचानक हाथियों के सामने आ गया। हाथियों ने उसे कुचलकर मार डाला। उमेश की पत्नी जान बचाने के लिए भागकर एक पेड़ पर चढ़ गई। उसने पेड़ से लोगों से मदद के लिए आवाज लगाई। गांव के लोग दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उमेश की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद हाथी संजय गांधी टाइगर रिजर्व की ओर निकल गए।

इसके बाद डिंडौरी जिले के सनौसी से करीब एक किलोमीटर दूर डोडा जंगल में एक महिला की जंगली हाथियों ने कुचलकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, 45 वर्षीय महिला देवगनिया बैगा (पत्नी एतु) जंगल में पत्तियां तोड़ रही थी, तभी अचानक वहां हाथी आ पहुंचे और उन्होंने महिला को कुचल दिया। पहले सिर्फ एक ग्रामीण की मौत की जानकारी थी, लेकिन जब पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, तो उन्हें दूसरी घटना की जानकारी भी मिली और वे तुरंत डोडा जंगल पहुंचे और जांच शुरू की। बता दें कि ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के जंगलों में पिछले कई महीनों से दो दर्जन से ज्यादा जंगली हाथी घूम रहे हैं।

शाही संभल जामा मस्जिद: हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी की अर्जी खारिज की

प्रयागराज/एजेंसी

शाही जामा मस्जिद, संभल से जुड़े विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को मस्जिद प्रबंधन समिति की सिविल पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। इस फैसले के साथ ही अब यह स्पष्ट हो गया है कि संभल की जिला अदालत में चल रही सर्वे संबंधी कार्यवाही जारी रहेगी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए यह निर्णय

सुनाया। अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला 19 नवंबर 2024 को उस समय शुरू हुआ जब कुछ याचिकाकताओं ने संभल की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अदालत में याचिका दाखिल कर दावा किया कि मस्जिद का निर्माण 1526 में एक प्राचीन हरिहर मंदिर को तोड़कर किया गया था। जो भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि को समर्पित था। अदालत ने मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था।इस आदेश के खिलाफ मस्जिद प्रबंधन समिति ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने 29 अप्रैल 2025 को मस्जिद कमेटी को हाईकोर्ट जाने का निर्देश देते हुए दो सप्ताह के भीतर राज्य सरकार की स्टेटस रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने को कहा था।

मधुमक्खियां बॉर्डर पर घुसपैठ रोकने में हो रही मददगार

मुंबई/एजेंसी

हाल ही में खबर आई थी कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा स्थित करेगुट्टा की पहाड़ियों में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सीआरपीएफ के एक मादा स्वान रोलो की मधुमक्खियों के आक्रमण से मौत हो गई। मधुमक्खियों की यह आक्रामकता दशार्ती है कि उनकी रक्षा प्रणाली किसी प्रशिक्षित कमांडो फोर्स की भांति होती है। वे अपनी ओर से किसी को छेड़ती नहीं है, लेकिन छेड़े जाने पर किसी को छोड़ती भी नहीं हैं।

मधुमक्खियों के हमले में डॉग की मौत

सीआरपीएफ के लिए काम कर रही दो वर्षीया रोलो बेल्जियम शेफर्ड नस्ल की मादा श्वान थी। नक्सल विरोधी अभियान में लगे सीआरपीएफ के जवान उसका उपयोग नक्सलियों द्वारा छुपाए गए खतरनाक विस्फोटकों को ढूंढने के लिए करते थे।

रूस-यूक्रेन संघर्ष: पुतिन ने ट्रंप से कहा- समस्या की जड़ को समाप्त करना आवश्यक

वॉशिंगटन/एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच सोमवार (19 मई) को दो घंटे लंबी टेलीफोनिक बातचीत हुई, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध पर विस्तार से चर्चा की गई। यह वार्ता उस समय हुई जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध समाप्त करने की उम्मीदें फिर से जगी हैं। हालांकि बातचीत में पुतिन ने स्पष्ट तौर पर ट्रंप से कहा कि समस्या की जड़ को समाप्त करना आवश्यक है। बातचीत के बाद ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मेरी दो घंटे की बातचीत अभी समाप्त हुई। मेरा मानना है कि यह बेहद सकारात्मक रही। रूस और यूक्रेन तुरंत संघर्षविराम

और, उससे भी महत्वपूर्ण, युद्ध के समापन के लिए बातचीत शुरू करेंगे। यह बातचीत दोनों देशों के बीच ही होनी चाहिए, क्योंकि वे ही उन बारीकियों को जानते हैं जो कोई तीसरा पक्ष नहीं जानता। बातचीत का स्वर और भावना शानदार थी, अगर नहीं होती तो मैं अभी कह देता, बाद में नहीं।

ट्रंप ने आगे लिखा, रूस अमेरिका के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार करना चाहता है जब यह भयावह रक्तपात समाप्त हो जाएगा और मैं इससे सहमत हूं। रूस के पास रोजगार और संपत्ति निर्माण की असीम संभावनाएं हैं। वहीं, युद्ध के बाद पुनर्निर्माण प्रक्रिया में यूक्रेन व्यापार के क्षेत्र में बड़ा लाभार्थी बन सकता है। ट्रंप ने यह भी जानकारी दी कि उन्होंने इस बातचीत के तुरंत बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब से बात की है। ट्रंप ने बताया कि वेटिकन भी, पोप के माध्यम से, इस शांति वार्ता की मेजबानी करने में गहरी रुचि रखता है इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बातचीत को जानकारीपूर्ण और सहायक बताया। उन्होंने ट्रंप से कहा कि युद्ध को समाप्त करने के लिए समस्या की जड़ को समाप्त करना आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप का यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी सोमवार को ही एक अलग फोन कॉल निर्धारित है, जिससे इस प्रयास को और गति मिलने की उम्मीद की जा रही है।

पाकिस्तान के साथ मैच खेलने का फैसला गलत -पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण

मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने केंद्र सरकार की नीतियों और हालिया फैसलों पर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई सरकार से बड़ा नहीं हो सकता। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलने का फैसला गलत है। मुंबई स्थित कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में सोमवार को प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए चव्हाण ने एक राष्ट्र-एक चुनाव से लेकर ईवीएम, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, एशिया कप, पाकिस्तान से संबंधित जल विवाद जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि देश ने युद्ध के दौरान भी पारदर्शिता बनाए रखी है। साल 1965 में नेहरू, 1971 में इंदिरा गांधी और कारगिल युद्ध के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी नियमित रूप से संसद को जानकारी देते थे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397